

राज्योत्सव में शामिल होने भारतीय वायुसेना का दल पहुंचा रायपुर

हरिभूमि रायपुर भूमि



रायपुर पहुंची सारंग की टीम...मोर से प्रेरित देशी हेलिकॉप्टर ध्रुव के रंग, स्वदेशी तकनीक, 'वजन कम'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

भारतीय वायु सेना की सारंग हेलिकॉप्टर प्रदर्शन टीम छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में हिस्सा लेने सोमवार को रायपुर पहुंची। टीम नवा रायपुर स्थित सेंध झील क्षेत्र के ऊपर हवाई प्रदर्शन करेगी। स्वदेश में विकसित उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) 'ध्रुव' से उड़ान ⏭शेष पेज 12 पर



अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भी प्रतिनिधित्व

सारंग टीम स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव का प्रयोग प्रदर्शन में करती है। हवा में सटीक उड़ान, एक साथ तालमेल के जरिए बनाई जाने वाली आकृति और हैरतअंगेज करतब के लिए सारंग टीम जानी जाती है। सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम के हेलिकॉप्टरों के रंग मोर से प्रेरित हैं। टीम का ध्येय वाक्य 'इंस्पायर थ्रू एक्सीलेंस' है, जिसका अर्थ उत्कृष्टता के जरिए प्रेरित करना है। गौरतलब है कि सारंग टीम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय वायुसेना का प्रतिनिधित्व करती है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अधिकारी दल के साथ सोमवार को सेंध लेक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिस्वरंजन, भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

नागरिकों के लिए मोबाइल टॉयलेट

मुख्य मंच, वीआईपी सिटिंग एरिया और आम दर्शकों के बैठने के लिए सुव्यवस्थित प्रबंध करने के निर्देश दिए गए हैं। वाहनों के सुचारु आवागमन के लिए प्रभावी ट्रैफिक प्लान बनाने, पर्याप्त पार्किंग स्थल चिन्हित करने तथा प्रवेश और निकास मार्गों को सही ढंग से निर्धारित करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि नागरिकों को यातायात संबंधित परेशानी का सामना ना करना पड़े। इसके अलावा आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आयोजन स्थल पर फर्स्ट एड किट, एम्बुलेंस और मेडिकल टीमों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही कार्यक्रम में निर्बाध साउंड सिस्टम, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वच्छ पेयजल, ⏭ शेष पेज 12 पर

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
मास्टर कूपन
27 अक्टूबर 2026
कूपन नं.
9

खबर संक्षेप

कैबिनेट आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय मंत्रिपरिषद की बैठक मंगलवार को बुलाई गई है। यह बैठक सुबह 11.30 बजे महानदी भवन मंत्रालय नवा रायपुर में होगी। कैबिनेट की बैठक में धान खरीदी सीजन 2026-27 के उपार्जन और कस्टम मिलिंग नीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। 1 नवंबर से होने वाले राज्योत्सव सहित कर्मचारी संगठनों की मांग पर बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। धान खरीदी को लेकर मंत्रिमंडलीय उपसमिति के निर्णयों पर चर्चा के बाद अंतिम मुहर लगेगी।

भारी वाहनों का दबाव, अवैध यू-टर्न, अंधे मोड़ और खराब रोशनी दुर्घटनाओं की बड़ी वजह

रायपुर से बिलासपुर और बलौदाबाजार मार्ग पर 13 ब्लैक स्पॉट, सफर खतरनाक, तीन साल में 173 मौतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर-बिलासपुर-बलौदाबाजार मार्ग पिछले तीन वर्षों में हादसों का प्रमुख केंद्रबिंदु बन गया है। रायपुर-बिलासपुर में 118 तथा बलौदाबाजार के 72 किलोमीटर मार्ग पर चिन्हित 13 ब्लैक स्पॉट पर 159 बड़े हादसों में अब तक पौने दो सौ लोगों की मौत हो चुकी है। औसतन हर 15 किमी पर एक खतरनाक ब्लैक स्पॉट है। बिलासपुर रोड पर सबसे ज्यादा खतरा सांकरा, सिलतरा, मोहदा मोड़ और खंडवा मोड़ जैसे हिस्सों में है, जहां भारी वाहनों का दबाव, अवैध यू-टर्न, अंधे मोड़ और खराब रोशनी दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रहे हैं। इसी तरह बिलासपुर रोड पर धनेली नाका, खरोरा बाइपास सहित विधानसभा मार्ग है। बिलासपुर मार्ग पर एक्सीडेंट रोकने ⏭शेष पेज 12 पर

हरिभूमि सरोकार



बलौदाबाजार मार्ग पर हादसे का एक बड़ा कारण यह भी

बलौदाबाजार मार्ग की सड़क जर्जर होने के साथ कई जगह सिंगल लेन है। साथ ही टू-लेन के इस मार्ग पर भारी मालवाहक वाहन अपनी गाड़ियां सड़क से नीचे नहीं उतारना चाहते। इस कारण इस मार्ग पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। बड़ी गाड़ियों को रोड से नीचे नहीं उतारने के कारण अन्य गाड़ियों के ओवरटेक करने से एक्सीडेंट होते हैं।

हादसों का मुख्य कारण ये भी

टोल टैक्स बचाने भारी मालवाहक वाहन रायपुर-बिलासपुर आने-जाने के लिए बलौदाबाजार स्टेट हाईवे से आवाजाही करते हैं। इस मार्ग पर ट्रक और हाईवा जैसी बड़ी गाड़ियों की आवाजाही 24 घंटे बनी रहती है। वर्तमान में इस मार्ग को फोरलेन में अपग्रेड करने (फोरलेन उन्नयन) और इन ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक बोर्ड, जेब्रा क्रॉसिंग तथा सुधार कार्य करने की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से की जा रही है।

बलौदाबाजार मार्ग पर इन ब्लैक स्पॉट में एक्सीडेंट

रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर सबसे संवेदनशील और डेंजर जोन

- **धनेली नाका, धनेली मोड़** : रायपुर से निकलते ही यह क्षेत्र भारी वाहनों के दबाव और खराब टर्निंग के कारण सबसे बड़ा ब्लैक स्पॉट माना जाता है।
- **खरोरा बाइपास**: इस क्षेत्र में क्रॉसिंग और गति नियंत्रण न होने से लगातार हादसे होते हैं।
- **घोटिया मोड़ (पलारी मार्ग)**: बलौदाबाजार जिले की सीमा के अंतर्गत आने वाला यह मोड़ एक बेहद खतरनाक दुर्घटना क्षेत्र के रूप में चिन्हित है।
- **लवन रोड क्रॉसिंग**: बलौदाबाजार के पास स्थित यह अंधा मोड़ होने के कारण अक्सर गाड़ियां आपस में टकराती हैं।
- **सेंदरी, विधानसभा मार्ग के पास का जंक्शन**: यहां से फोरलेन और टू-लेन की कनेक्टिविटी बदलती है, जहां तेज रफ्तार गाड़ियों के कारण हादसे होते हैं।

नर्सिंग एडमिशन में तकनीकी बाधा

चिकित्सा शिक्षा ने प्रवेश के लिए 15 दिसंबर तक मांगी मोहलत

31 अक्टूबर की अंतिम तारीख बढ़ाने आयुक्त ने आईएनसी को भेजा पत्र



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नर्सिंग कालेजों की सीटों पर निर्णय में आने वाली बाधा अफसरों ने भी स्वीकार ली है। ऐसे में 31 अक्टूबर तक एडमिशन संभव नहीं होने के कारण अंतिम तारीख 15 दिसंबर तय करने का निवेदन किया है। नर्सिंग कालेजों की मान्यता और संबद्धता का काम पूरा नहीं हुआ है, साथ ही एडमिशन के लिए शेड्यूल तक तैयार नहीं हुआ है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त रितेश अग्रवाल ने भारतीय उपचर्या परिषद को पत्र भेजकर तर्क दिया है कि नर्सिंग कालेजों में प्रवेश की प्रक्रिया तकनीकी कारणों से बाधित हुई है, अतः 31 अक्टूबर तक प्रवेश का काम पूरा कर पाना संभव नहीं है। इसलिए बीएससी, एमएससी, पोस्ट बेसिक नर्सिंग की प्रवेश की अंतिम तारीख को 15 दिसंबर तक आगे बढ़ा दिया जाए। आईएनसी ने शुरुआत में प्रवेश की तारीख 30 सितंबर तय की थी, जिसे बाद में कम मानते हुए 31 अक्टूबर की तारीख तय की गई, जिस पर एडमिशन के लिए काम ही शुरू नहीं हो पाया है। इस मामले में सीजीएनआरसी का औसत 60 सीटों पर मान्यता के साथ आईएनसी द्वारा तय सीटों पर ही एडमिशन दिए जाने का नियम जोड़ा है। इंडियन नर्सिंग काउंसिल के पास 28 कालेजों में सीटों की उपयुक्तता का मामला लंबित है। इसकी वजह से आयुष विश्वविद्यालय भी कालेजों को संबद्धता नहीं दे पाया है। दोनों मामले पूर्ण होने के बाद भी चिकित्सा शिक्षा विभाग पात्र अभ्यर्थियों के पंजीयन पूर्ण करने के साथ काउंसिलिंग का शेड्यूल जारी कर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करेगा।



खबर संक्षेप



जनता से संवाद कर बिरगांव में प्रत्याशी तय करेगी आप

रायपुर। बिरगांव में होने जा रहे नगर निगम चुनाव के लिए अपने प्रत्याशी आम आदमी पार्टी जनता से संवाद कर चुनेगी। पार्टी बिरगांव नगर निगम के सभी 40 पार्षद पदों एवं महापौर पद पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय ने बताया, इसके लिए पार्टी सीधे आम जनता के बीच जाकर राय-शुमारी कर रही है और जनता की पसंद के अनुसार ही प्रत्याशियों का चयन कर रही है। रायपुर जिलाध्यक्ष क्षीर सागर ने कहा, बिरगांव की जनता भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के झूठे वादों से तंग आ चुकी है और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। ऐसे में पार्टी ने निर्णय लिया है कि वे चुनाव से पूर्व ही जनता की पसंद जानने उनके पास पहुंचेगी और जनता के अनुसार ही प्रत्याशी तय करेगी। पार्टी ने बयान जारी कर कहा, भाजपा के वर्तमान ढाई साल में सिर्फ वादे और घोषणाएं ही की गई हैं।

द्वितीय चरण की जनसंख्या गणना के लिए प्रशिक्षण शुरू

रायपुर। भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के तहत रायपुर जिले में जनसंख्या गणना संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हो गया। जिले में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के लिए दो अलग-अलग बैचों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में रेडक्रॉस भवन में अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रथम बैच में ग्रामीण चार्ज से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण 26 एवं 27 अक्टूबर को तथा द्वितीय बैच में नगरीय चार्ज से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 28 एवं 29 अक्टूबर को दिया जाएगा। कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस कक्ष में द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर बैठक ली। बैठक में रायपुर निगम आयुक्त संबित मिश्रा तथा एडीएम एवं जिला जनगणना अधिकारी उमाशंकर बंदे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग की बैठक

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के तहत अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर-2027) के तहत मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में जिले के मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रस्तावित युक्तियुक्तकरण की जानकारी दी गई तथा उनके सुझाव एवं विचार प्राप्त किए गए। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुत प्रस्तावों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्री बंटी शर्मा पिता शंकर शर्मा निवासी-कृष्णा नगर, रायपुर तह. व जिला-रायपुर छ.ग. के द्वारा वाके मौजा ग्राम-बोरियाखुर्द प.ह.नं.-118/71 रा.नि.मं.-रायपुर (बोरियाखुर्द) में स्थित भूमि खसरा नं. 111/17 रकबा 0.200 हे. भूमि को क्रय करने का सौदा पक्का कर सम्पूर्ण प्रतिफल की राशि अदा किया जा चुका है तथा विक्रेता द्वारा उक्त वर्णित भूमि खसरा नं. 111/17 रकबा 0.200 हे. को विक्रेता श्री घनश्याम दास आत्मज स्व. गोवर्धन पोद्दार निवासी-नगर निगम कालोनी, रायपुर के द्वारा उक्त भूमि का पंजीयन न कर किसी अन्य को विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है तथा मेरे पक्षकार को पंजीयन करने का हिला हवाला किया जा रहा है।

अतः उपरोक्त भूमि को किसी भी व्यक्ति संस्था, साहूकार के द्वारा क्रय न करें तथा किसी अन्य के द्वारा क्रय करने पर किसी प्रकार का स्वत्व हक एवं कब्जा प्राप्त नहीं होगा। सो सूचना जानें।

रायपुर छ.ग. दिनांक 26.10.2026

भवदीय

संजय यादव, अधिवक्ता

शॉप नं.-ओ.एम.-1, द्वितीय तल, अशोका मिलेनियम, रिंग रोड, राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)

मो. नं.- 9893933086

पीडब्लूडी में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी, 91 सब इंजीनियर्स का किया तबादला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग ने प्रशासनिक आधार पर 91 उप अभियंताओं (सिविल) का तबादला किया है। विभाग ने 26 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को नई पदस्थापना देने के निर्देश जारी किए हैं। आदेश के तहत प्रदेश के अलग-अलग संभागों, सेतु संभागों और राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े कार्यालयों में पदस्थापना में बदलाव किया गया है। छत्तीसगढ़ में लोक निर्माण विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उप अभियंताओं का बड़े स्तर पर तबादला किया है। विभाग की ओर से जारी आदेश में कुल 91 उप अभियंताओं (सिविल) के नाम शामिल हैं। इन अधिकारियों को उनकी वर्तमान पदस्थापना से हटाकर प्रदेश के अलग-अलग संभागों और कार्यालयों में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभागीय आदेश के मुताबिक, स्थानांतरण प्रशासनिक आधार पर किए गए हैं। सभी तबादले तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और संबंधित अधिकारी आगामी आदेश तक नई पदस्थापना पर कार्य करेंगे।

सेतु और राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यालयों में भी बदलाव : विभागीय आदेश में सेतु संभागों और राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े कार्यालयों में भी कई उप अभियंताओं की नई पदस्थापना की गई है। कुछ अधिकारियों को रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर, अंबिकापुर और चांपा स्थित सेतु संभागों में भेजा गया है।

लोक निर्माण विभाग ने जारी किया आदेश

कई संभागों में बदली पदस्थापना

खास खबर

तबादला सूची में रायपुर, दुर्ग, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बेमेतरा, कवर्धा, कोरबा, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, अंबिकापुर, जशपुर, सूरजपुर, मनेंद्रगढ़, राजनांदगांव और अन्य क्षेत्रों से जुड़े कार्यालय शामिल हैं। साथ ही सेतु संभागों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित कार्यालयों में भी अधिकारियों की पदस्थापना बदली गई है। आदेश के तहत कुछ उप अभियंताओं को एक संभाग से दूसरे संभाग में भेजा गया है, जबकि कुछ अधिकारियों को मुख्य अभियंता कार्यालय, अधीक्षण अभियंता कार्यालय और उपसंभाग स्तर पर नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। इससे विभाग के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में अधिकारियों की तैनाती का नया ढांचा लागू होगा।



प्रमुख तबादलों में ये नाम शामिल

जारी सूची के अनुसार, प्रदीप कुमार चंद्राकर को रायपुर संभाग क्रमांक-3 से गरियाबंद संभाग, फारुख इशराक को नवा रायपुर से दुर्ग संभाग, चुन्नूलाल साहू को बलौदाबाजार से रायपुर संभाग क्रमांक-3, मंगल प्रसाद चंद्राकर को महासमुंद संभाग से विधानसभा रायपुर संभाग में नई पदस्थापना दी गई है। इसी तरह अंशुमान सिंह को गरियाबंद से धमतरी, संतोष कुमार साहू को गरियाबंद से विधानसभा रायपुर और आरके देशमुख को धमतरी से महासमुंद संभाग भेजा गया है। सूची में दुर्ग, कवर्धा, कोरबा, अंबिकापुर, जशपुर, मनेंद्रगढ़ और बिलासपुर सहित कई क्षेत्रों के लिए भी नई पदस्थापनाएं दर्ज हैं।

बैठकों के बाद वापस दिल्ली लौटे प्रदेश प्रभारी और सहप्रभारी

स्मृति ने कहा- बस्तर से सरगुजा तक जन-जन से संपर्क करें और सुख-दुख में भागीदार बनें



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी ने अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान दो दिनों तक लगातार बैठकें कीं। प्रदेश प्रभारी ने सभी से कहा, आज तकनीक का युग है, सोशल मीडिया पर संवाद जरूरी है, लेकिन वह कभी जमीनी स्पर्श का विकल्प नहीं हो सकता।

हमें गांव-गांव, पारा-टोला और बस्तर से लेकर सरगुजा तक जन-जन से सघन संपर्क साधना होगा और आमजन के सुख-दुख में उनकी चौखट पर और मजबूती से खड़ा होना, उनकी बात सुनना और समाधान तक पहुंचाना, यही कार्यकर्ता का सच्चा धर्म है। सोमवार को बैठकों के बाद प्रदेश प्रभारी श्रीमती ईरानी और सहप्रभारी सिद्धार्थ शंभू रात में दिल्ली लौट गए। श्रीमती ईरानी ने कहा, छत्तीसगढ़ की देवतुल्य जनता ने हम पर गहरा विश्वास जताया है। यह विश्वास एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी लेकर आया है। आगामी समय में हमें न केवल इस भरोसे को बनाए रखना है, बल्कि संगठन के विस्तार को प्रत्येक बूथ तक ले जाकर अभेद्य बनाना है।

बैठकों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश सहप्रभारी सिद्धार्थ शंभू, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा समेत मंत्री, सांसद, विधायक व कोर ग्रुप के सदस्य मौजूद रहे।

कांग्रेस भ्रामक प्रचार करने वाली एजेंसी : किरण देव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने दो दिनों तक चली बैठकों के बाद पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दो दिवसीय प्रवास के दौरान हम सबको महत्वपूर्ण मार्गदर्शन मिला है। संगठन की दृष्टि से यह बेहद ही अहम बैठकें रही हैं, जिनमें हमने पार्टी की रणनीति व आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की है। इस दौरान प्रदेश प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी एवं सहप्रभारी सिद्धार्थ शंभू ने विभिन्न सत्रों में लगभग 12 श्रेणियों की बैठकें ली हैं। श्री देव ने कहा, कांग्रेस के पास काफी समय है, इसलिए कांग्रेस पार्टी कुछ कर नहीं रही है। कांग्रेस भ्रामक प्रचार करने वाली एजेंसी का रूप ले चुकी है। हमारी बैठकों में क्या हो रहा है, कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने के लिए काल्पनिक कहानियां रच रही है, जिनका सत्य से कोई सरोकार नहीं है। श्री देव ने कहा, लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ अभियान की समीक्षा भी बैठक के दौरान हुई, जिसके आगामी कार्यक्रम पर बिंदुवार चर्चा हुई।हम सबको केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यों को जन-जन तक और मजबूती से पहुंचाना है।

स्मृति के दौरे पर बैज का हमला, महंगाई और महिला सुरक्षा पर मांगा जवाब

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा की छत्तीसगढ़ प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं को ही पार्टी कार्यालय आने से रोका जा रहा है। उन्होंने महंगाई, कथित भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। श्री बैज ने कहा कि स्मृति ईरानी ने कभी महंगाई के खिलाफ आंदोलन किए थे और सस्ती शक्कर व गैस सिलेंडर का मुद्दा उठाया था। अब उन्हें अपने पुराने वादों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने भाजपा की ओर से महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की गारंटी का उल्लेख करते हुए इसे पूरा करने की मांग की। साथ ही पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम करने की भी मांग की। महिला सुरक्षा पर श्री बैज ने आरोप लगाया कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और सरकार सुरक्षित वातावरण देने में विफल रही है।



स्पेशल ट्रेन देने से रेलवे का इंकार

केंद्र पर रैली रोकने सत्ता के दुरुपयोग का आरोप





कांग्रेस प्रभारी महामंत्री बोले- ट्रेन नहीं मिली तो अन्य साधनों से दिल्ली जाएंगे कांग्रेसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित 'वोट बचाओ–देश बचाओ' रैली में शामिल होने छत्तीसगढ़ कांग्रेस की ओर से स्पेशल ट्रेन की मांग की गई थी। कांग्रेस का दावा है कि रेलवे ने पहले स्पेशल ट्रेन उपलब्ध कराने पर सहमति जताते हुए खर्च का अनुमान भी भेजा था, लेकिन अब पत्र भेजकर ट्रेन देने में असमर्थता जता दी है। इस घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की रैली से घबराई मोदी सरकार लोगों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू ने बताया कि छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता दिल्ली रैली में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। इसी सिलसिले में प्रदेश कांग्रेस की ओर से रेलवे को स्पेशल ट्रेन बुक करने के लिए पत्र लिखा गया था। कांग्रेस के मुताबिक, रेलवे ने उनकी मांग पर सहमति जताई और ट्रेन संचालन के खर्च का अनुमान भी उपलब्ध कराया था। पार्टी इसके लिए भुगतान करने को तैयार थी। इसके बावजूद अब रेलवे की ओर से कांग्रेस कार्यालय को पत्र भेजकर स्पेशल ट्रेन उपलब्ध कराने में असमर्थता जता दी गई है।

ट्रेन नहीं मिली तो दूसरे साधनों से जाएंगे दिल्ली

मलकीत सिंह गैंदू ने कहा, स्पेशल ट्रेन उपलब्ध नहीं कराने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के दिल्ली पहुंचने के संकल्प पर असर नहीं पड़ेगा। भाजपा की केंद्र सरकार कितनी भी बाधाएं खड़ी कर ले, छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी हजारों की संख्या में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' रैली में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, स्पेशल ट्रेन नहीं मिलने की स्थिति में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता नियमित ट्रेनों, स्पेशल बसों, हवाई यात्रा और निजी वाहनों से सड़क मार्ग के जरिए दिल्ली पहुंचेंगे। पार्टी की कोशिश है कि प्रदेश से अधिक से अधिक कार्यकर्ता रैली में शामिल हों।

नवा रायपुर में अन्नदाता गर्जना महारैली आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के आव्हान पर प्रदेशभर के किसान अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे नवा रायपुर के तूता धरनास्थल से बड़ी संख्या में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए किसान प्रतिनिधि अन्नदाता गर्जना महारैली निकालकर महानदी भवन का घेराव करेंगे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष माधो सिंह, प्रदेश महामंत्री नवीन शेष ने बताया कि अन्नदाता गर्जना महारैली के माध्यम से प्रदेशभर के किसान धान का समर्थन मूल्य 3100 से बढ़ाकर 3358 रुपए प्रति क्विंटल करने, फल एवं सब्जी उत्पादक किसानों को कृषक उन्नति योजना में जोड़े जाने, वर्ष 2022-23 की धान खरीदी का बकाया 1700 करोड़ की राशि किसानों को तत्काल भुगतान करने सहित अन्य प्रमुख मांगों को लेकर आवाज बुलंद करेंगे।

प्रदेश में धान खरीदी सीजन से ठीक पहले किसान आंदोलन तेज हो गया है। भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रांत ने 27 अक्टूबर को किसानों की 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अन्नदाता गर्जना रैली का ऐलान किया है। इसके तहत मंगलवार को प्रदेशभर के 33 जिलों से महिला व पुरुष किसान एवं भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र नवा रायपुर के तूता धरनास्थल से एकजुट होकर प्रात :11 बजे मंत्रालय का घेराव करने महारैली निकालेंगे। किसानों के इस प्रदर्शन और अन्नदाता गर्जना महारैली को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने नवा रायपुर क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

किसानों की प्रमुख मांगें

- धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 3358 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए, फल और सब्जी उत्पादन किसानों को कृषक उन्नति योजना में जोड़ा जाए।
- 2022-23 की धान खरीदी का बकाया 1700 करोड़ किसानों को तत्काल देने की मांग।
- प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से 15 फरवरी तक हो, प्रति तौल अधिकतम 40 किलो 700 ग्राम लेने का शासन का आदेश जारी हो।
- हाल ही में बाढ़ से खराब हुई फसल हानि का तत्काल सर्वे कर किसानों को उसका उचित मुआवजा दिया जाए।
- टोकन व्यवस्था में सुधार कर छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता दी जाए। बड़े किसानों को 5, छोटे को 3 और सीमांत कृषक को 2 टोकन मिलें। दबाव डालकर खाता समर्पण कराना बंद हो।

भाजयुमो ने फूंका खड़गे का पुतला



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा रायपुर शहर ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। श्री खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी के विरोध में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने रायपुर के व्यस्ततम आजाद चौक पर एकत्रित होकर कांग्रेस अध्यक्ष का पुतला दहन किया और जमकर नारेबाजी की।

भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कहा, देश के लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की अभद्र टिप्पणी करना कांग्रेस की घटिया मानसिकता एवं उनकी निराशाजनक विचारधारा को प्रदर्शित करता है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन भाषा की मर्यादा को इस तरह लांघना स्वीकार्य नहीं है। श्री खड़गे को अपने इस कृत्य के लिए जल्द से जल्द पूरे देश और प्रधानमंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। भाजयुमो जिलाध्यक्ष अर्पित सूर्यवंशी ने कहा, कांग्रेस पार्टी में देश के सर्वोच्च पदों पर बैठे नेताओं और विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करना एक परंपरा बन चुकी है। जब-जब कांग्रेस जमीन पर चुनाव हारती है, उसके शीर्ष नेता अपनी हताशा छिपाने के लिए गाली-गलौज की राजनीति पर उतर आते हैं।

दिल्ली प्रदर्शन में जाएगी शहर-ग्रामीण जिला कांग्रेस की पूरी कार्यकारिणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के तहत आगामी 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले कांग्रेस के प्रदर्शन में रायपुर शहर और रायपुर ग्रामीण जिला कांग्रेस की पूरी कार्यकारिणी शामिल होगी। अभियान के तीसरे चरण के तहत हुई समीक्षा बैठक में दिल्ली प्रदर्शन की तैयारियों और अधिक से अधिक संख्या में नेताओं, कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान जब कुछ पदाधिकारियों ने ही दिल्ली जाने की सहमति दी तो एआईसीसी पर्यवेक्षक शोभा बच्छाव ने दोनों जिला अध्यक्षों को पूरी कार्यकारिणी की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अभियान के तहत राजधानी रायपुर और ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक हुए कार्यक्रमों, प्रदर्शनों और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की गई। इस दौरान दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन को लेकर जिलेवार तैयारियों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेतृत्व की मंशा के अनुरूप प्रदर्शन में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। एआईसीसी पर्यवेक्षक शोभा बच्छाव ने पदाधिकारियों की कम संख्या में शामिल होने की सहमति को देखते हुए स्पष्ट किया कि दोनों जिला कांग्रेस इकाईयों की पूरी कार्यकारिणी को दिल्ली के प्रदर्शन में हिस्सा लेना है। इसके लिए जिला अध्यक्षों को आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा गया।

- 'वोट बचाओ–देश बचाओ' अभियान के तीसरे चरण की समीक्षा में एआईसीसी पर्यवेक्षक ने दिए निर्देश

एआईसीसी ने अधिकतम भागीदारी का दिया लक्ष्य



उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्र जारी कर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आव्हान किया है। इस प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस को इस संबंध में 28 अक्टूबर तक जानकारी उपलब्ध करानी है। एआईसीसी के सह प्रभारी सचिव विजय जांगिड़ ने भी स्पष्ट किया है कि रायपुर शहर और रायपुर ग्रामीण जिला कांग्रेस की पूरी कार्यकारिणी को दिल्ली प्रदर्शन में शामिल होना है। इसके मद्देनजर जिलास्तर पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है।

एक ही नंबर से सैकड़ों शिक्षकों को फोन, आरोप-ऐप से डेटा लीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ ने ऑनलाइन उपस्थिति के लिए लागू किए गए वीएसके ऐप के जरिए डेटा लीक होने का आरोप लगाया है। शिक्षक संघ का कहना है कि ऑनलाइन उपस्थिति के लिए सभी शिक्षकों ने अपने मोबाइल में वीएसके ऐप इंस्टॉल किया है। इस ऐप के माध्यम से ही शिक्षकों के निजी मोबाइल नंबर जैसी जानकारियां साझा की जा रही है। शालेय शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने कहा, प्रदेश के सैकड़ों शिक्षकों को साइबर फ्रॉड करने वालों ने डरा धमका कर वसूली करने के अलावा डिजिटल अरेस्ट करने की कोशिश की है। कई जिलों में इस तरह की शिकायत प्राप्त हुई है। डेटा लीक संबंधित आरोपों के साथ-साथ संघ ने शिक्षकों को आए फोन कॉल्स की विस्तृत सूची, बातचीत के अंश सहित अन्य जानकारियां देते हुए जांच की मांग की है। संघ ने कहा, शिक्षकों ने पहले ही गोपनीयता को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की थी। प्रारंभिक शिकायत पर कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण अब इस तरह की घटनाओं के बढ़ने का आरोप संघ ने लगाया है।

जांच की मांग

एक ही स्कूल या संस्था में कार्यरत समस्त शिक्षकों को एक ही मोबाइल नंबर से संदिग्ध कॉल्स प्राप्त हुए हैं। इन कॉल्स के दौरान ठगों ने खुद को 'साइबर क्राइम इंस्पेक्टर' बताकर शिक्षकों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया और उन्हें डरा-धमकाकर कानूनी पचड़े में फंसाने की कोशिश की। संघ का कहना है कि शिक्षकों की व्यक्तिगत, शैक्षणिक और गोपनीय जानकारियां केवल और केवल शिक्षा विभाग के पास सुरक्षित रहती हैं, तो फिर ये सेंसिटिव डेटा साइबर फ्रॉड करने वालों तक कैसे पहुंच रहे हैं?



THE SCREW DRIVER

Scan QR For Download The App

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

इस दिवाली
AAPKE GHAR
की हर छोटी-बड़ी रिपेयर
अब आपके दरवाज़े पर!

*Offer Is Valid Till Diwali Only



सगुन के सिर्फ़
₹11
रूपए में
ऐप से बुक करें
कोई भी सर्विस!

OUR SERVICES

- Electrician — Wiring Repairs Switches
- Plumber — Leakage Fittings Drainage
- AC Repair — Cooling Servicing Gas Refill
- Carpenter — Furniture Repair Fittings
- Cleaning — Home Deep Sofa
- Home Appliances — Repair Installation Servicing

कूपन कोड:
SHAGUN11

Trusted Professionals | On-Time Service | Transparent Pricing | 24/7 Support

BOOK YOUR SERVICE TODAY

खबर संक्षेप



महापौर मीनल ने किया उद्यान सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन

रायपुर। महापौर मीनल चौबे ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जोन-2 के शहीद हेमू कालाणी वार्ड, देवेंद्र नगर सेक्टर-5 में 21 लाख रुपए की लागत से वर्धमान वाटिका परिसर में हॉल निर्माण, विकास कार्य, उद्यान सौंदर्यीकरण के नए कार्य का श्रीफल फोड़कर भूमिपूजन किया। श्रीमती चौबे ने जोन-2 कार्यपालन अभियंता पीडी घृतलहरे को स्वीकृति अनुसार तत्काल वर्धमान वाटिका परिसर में कार्य प्रारंभ कराते हुए तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तायुक्त कार्य कराने के निर्देश दिए। इस मौके पर वार्ड पार्षद कृतिका जैन सहित वर्धमान वाटिका देवेंद्र नगर सेक्टर-5 उद्यान संचालन समिति के पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे।

चौबे-समता मुख्य मार्ग पर अवैध पाटा तोड़ा



रायपुर। नगर निगम जोन-7 के नगर निवेश विभाग की टीम ने चौबे-समता कॉलोनी मुख्य मार्ग पर निर्माणाधीन व्यावसायिक परिसर के सामने नाली पर अवैध रूप से बनाए गए पाटे को जेसीबी से तोड़ने की कार्रवाई की। संबंधित व्यावसायिक परिसर के निर्माणकर्ता पर 25 हजार रुपए जुर्माना लगाया। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निदेश पर जोन-7 के नगर निवेश विभाग की टीम ने सोमवार को जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणिग्रही के मार्गदर्शन में जोन क्षेत्र के चौबे-समता कॉलोनी मुख्य मार्ग पर नाली के ऊपर बनाए गए अवैध पाटे को जनशिकायत के बाद तोड़ने में तत्परता दिखाई। इस दौरान अवैध पाटा बनाने वाले संबंधित भवन स्वामी पर 25 हजार रुपए जुर्माना भी किया।

शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी-3 और स्लीपर कोच की सुविधा

रायपुर। यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने के लिए रेलवे ने शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 और एक अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाने का निर्णय लिया है। यह सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी-3 कोच 28 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक लगाया जाएगा। वहीं गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में यह सुविधा 30 अक्टूबर से 3 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी।

छत्तीसगढ़ में 9 नवंबर को अवकाश घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य के कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए दीपावली के दूसरे दिन (गोवर्धन पूजा) पर सार्वजनिक/सामान्य अवकाश की घोषणा की है। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार 9 नवंबर सोमवार को अवकाश रहेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि इससे पहले विभाग की अधिसूचना 6 नवंबर 2025 के जरिए इस पर्व को ऐच्छिक अवकाश की सूची में 9 नवंबर 2026 सोमवार के लिए घोषित किया गया था। अब शासन ने इसमें संशोधन करते हुए इसे सार्वजनिक/सामान्य अवकाश में परिवर्तित कर दिया है।

निधन

वीरेंद्र वर्मा



रायपुर। संतोषी नगर खमतराई निवासी वीरेंद्र वर्मा का 26 अक्टूबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम संस्कार 27 अक्टूबर को उनके गृहग्राम टेकारी (जुलूम) किया जाएगा। वे बबीता वर्मा के पति, पार्वती वर्मा के पुत्र, सुरेंद्र वर्मा के बड़े भाई और तनुस, कार्तिकेय के पिता थे।

बस्तर में 60 तो रायपुर में 30 किमी. प्रतिघंटे हो सकती है हवा की रफ्तार, बारिश के आसार भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से बस्तर में 60 किलोमीटर और रायपुर समेत मध्य इलाके में 30 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसके अलावा बुधवार की शाम से गुरुवार को दिनभर बारिश की गतिविधि बनी रह सकती है। वर्षा के लिए बस्तर के विभिन्न जिलों में रेड तो रायपुर समेत 10 जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, सिस्टम अगले 24 घंटे में सीवियर से वेरी सीवियर साइक्लोन सिस्टम का रूप लेगा। आगे बढ़ते हुए यह विशाखापट्टनम के तट तक पहुंचेगा। इसका प्रभाव 28 और 29 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ में नजर आएगा। 28 अक्टूबर यानी बुधवार की शाम से मौसम का मिजाज बदलेगा, जिसका प्रभाव 30 अक्टूबर तक रहेगा। इसका ज्यादा असर बस्तर में होगा और दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर के साथ बस्तर जिले में 60 से 80 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से बारिश होगी। इस दौरान वहां के एक-दो स्थानों पर सीमांत यानी 200 मिमी. तक बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला मानपुर, अंबागढ़ चौकी, बालोद, धमतरी, गरियाबंद और कांकेर, नारायणपुर जैसे जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में भारी से अतिभारी वर्षा हो सकती है और यहां 30 से 40 किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इस दौरान सिस्टम आगे बढ़ते हुए कमजोर होता जाएगा। 29 अक्टूबर उत्तर-पश्चिमी जिले मनेंद्रगढ़-चिरमिरी जैसे जिलों में हवा और पानी का असर होगा।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का प्रदेश में असर, बुधवार शाम से गुरुवार तक रहेगा प्रभावित

सब्जियों पर असर

बादल-बारिश के प्रभाव से धान की फसलों के साथ सब्जियों पर विपरीत असर होगा। बारिश से सब्जियों के खराब होने और कीड़े लगने की आशंका है। सब्जियों के खराब होने की वजह से किसानों को नुकसान होने और आपूर्ति बाधित होने से कीमत बढ़ने की संभावना है। बिन मौसम बरसात के असर से धान की फसल खराब होने की आशंका है। इसे लेकर कृषि विभाग ने भी किसानों को सुरक्षा के उपाय करने की सलाह दी है।

बस्तर में रेड तो रायपुर समेत 10 जिलों में आरेंज अलर्ट



फाइल फोटो

उत्तरी इलाके में ठंड

बारिश रुकने और मौसम सामान्य होने की वजह से राज्य में ठंड का आगमन होने लगा था। खासकर उत्तरी इलाके यानी सरगुजा में रात में ठंड महसूस हो रही है। रायपुर समेत मध्य हिस्से में सुबह गुलाबी ठंड का अहसास हो रहा है। दूसरी ओर दिन चढ़ने के बाद तेज गर्मी अपना असर दिखा रही है और अधिकतम तापमान 30 से ऊपर दर्ज किया जा रहा है। तूफान के असर से ठंड बाधित होने और तूफान के कमजोर होने के बाद मौसम फिर असर दिखाएगा।

प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और खाने-पीने के कचरे से पर्यटन स्थलों की पवित्रता और सुंदरता पर ग्रहण

पर्यटन स्थलों पर गंदगी ने छीना सैलानियों का सुकून अंतर्राष्ट्रीय टूरिज्म की साख पर लगा कचरे का दाग

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों पर बरपी गंदगी सैलानियों का सुकून छीन रही है। विश्वस्तरीय पर्यटन की पहचान पाने पर्यटन स्थलों को कचरे और प्लास्टिक मुक्त रखना अंतर्राष्ट्रीय टूरिज्म मानदंड की पहली शर्त में से एक है, लेकिन छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग अब तक इन मानदंडों को जमीनी स्तर पर साकार कर पाने में पूरी तरह से फेल रहा है। पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा स्वच्छता कायम करने की सरकारी प्रयास केवल अभियान बन कर रह गए।

महिला पर्यटकों के लिए सुरक्षित शौचालयों की कमी

पर्यटकों ने बताया कि प्लास्टिक कचरों और गंदगी के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय तथा स्थानीय महिला पर्यटकों के लिए सबसे बड़ी समस्या स्वच्छ और सुरक्षित शौचालयों की कमी भी है। पर्यटन प्रेमियों ने अपनी परेशानी साझा करते हुए बताया कि ज्यादातर पर्यटन स्थलों पर महिला सदस्यों व परिवार के साथ जाने में असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस तरह से पर्यटन विभाग व स्थानीय प्रशासन अब तक पर्यटन स्थलों पर बुनियादी सुरक्षित शौचालयों की सविधा उपलब्ध कराने में भी नाकाम है।



हरिभूमि सरोकार



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन के स्वच्छता संकल्प एवं जुर्माना लगाने की नियम धरे के धरे रह गए हैं। इन प्रयासों का जमीनी स्तर पर कोई साकारात्मक असर देखने को नहीं मिल रहा है। यही वजह है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य पर्यटन की छवि प्रभावित हो रही है।

हरिभूमि में 22 अक्टूबर को प्रकाशित छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों से संबंधित खबर के बाद पर्यटन प्रेमियों ने प्रमुख पर्यटन स्थलों की लाइव फोटो साझा की है। इन तस्वीरों में साफतौर पर राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर गंदगी का आलम नजर आ रहा है। बस्तर के विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात और तीरथगढ़ जलप्रपात जैसे प्रमुख प्राकृतिक स्थलों पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और खाने-पीने का कचरा इधर-उधर फेंकने से इन स्थलों की पवित्रता और सुंदरता पर ग्रहण लग रहा है। गरियाबंद के मां जतमई मंदिर और धमतरी के गंगरेल बांध जैसे सुप्रसिद्ध पर्यटन स्थानों पर स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के कारण गंदगी का अंबार लगा रहता है। सैलानियों के अनुसार, गंगरेल बांध के आसपास कचरे की नियमित सफाई न होने से पर्यटकों का अनुभव खराब हो रहा है।

त्योहारों और पीक सीजन में इन पर्यटन स्थलों की स्थिति गंभीर

पर्यटकों का कहना है कि केंदई वाटरफॉल एवं कॉफी प्वाइंट कोरबा, चित्रकोट जलप्रपात, मैनपाट, सकल नारायण गुफा बीजापुर, बीजापुर व्यू प्वाइंट पर सबसे अधिक स्वच्छता का अभाव है। यहां के वातावरण में बड़े पैमाने पर प्लास्टिक कचरे का अंबार लगा हुआ है। वहीं स्वच्छता बनाए रखने गठित स्वच्छता समिति द्वारा नियमित साफ-सफाई नहीं की जा रही है। स्थानीय प्रशासन भी स्वच्छता को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा है। इस तरह से अंतर्राष्ट्रीय टूरिज्म के मानदंड पर छत्तीसगढ़ पर्यटन वर्तमान में एक बड़े विरोधाभास और संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ जहां राज्य में वैश्विक स्तर का बेजोड़ प्राकृतिक सौंदर्य, प्राचीन धरोहरें और समृद्ध आदिवासी संस्कृति मौजूद है, वहीं दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय पैमाने पर राज्य अभी भी काफी पीछे है।

जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि पर्यटकों के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार से विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के तमाम प्रयासों के बावजूद, पर्यटकों में अभी भी डिस्पोजेबल प्लास्टिक की बोतलें, रैपर खुले में फेंकने की प्रवृत्ति पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, जिसे रोकने सख्त जुर्माने और लगातार स्वच्छता संकल्प अभियान से जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने दर्ज किया 1.65 करोड़ ठगी का मामला

निवेश में बड़ा लाभ कमाने का दिया झांसा



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोर्ट के आदेश के बाद आमानाका पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ 1.65 करोड़ रुपए ठगी के मामले में अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने निवेश कराने और बाद में भुगतान बंद करने के आरोप में फाल्कन इनवाइस डिस्काउंटिंग प्लेटफार्म से जुड़े लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। आरोपियों में कंपनी के प्रबंध निदेशक अमरदीप कुमार, सीईओ आर्यन सिंह और कर्मचारी अनिता साल्वडे शामिल हैं। टाटीबंध निवासी ज्ञानेश्वर अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि वर्ष 2022 में उनके मोबाइल पर कंपनी में निवेश कर लाभ कमाने का मैसेज आया था। उनके बेटे के मोबाइल पर भी इसी तरह का मैसेज आया था। इसके बाद बेटे ने कंपनी की कर्मचारी अनिता साल्वडे से संपर्क किया। आरोप है कि कर्मचारी ने ई-मेल के माध्यम से निवेश की अलग-अलग योजनाओं की जानकारी दी। योजना के तहत एक वर्ष तक 12 किस्तों में हर महीने निश्चित तारीख पर भुगतान और 21 से 22 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न देने की बात कही गई थी।

किस्तों में 1.65 करोड़ का भुगतान

योजना पर भरोसा कर ज्ञानेश्वर और उनके बेटे ने अलग-अलग किस्तों में कुल एक 1.65 रुपए निवेश किए। समझौते के अनुसार, कुछ समय तक उनके खातों में रकम आती रही। शिकायत में अब तक 68 लाख 35 हजार 500 रुपए प्राप्त होने का उल्लेख है। आरोप है कि 14 फरवरी 2025 से भुगतान मिलना बंद हो गया। कंपनी की कर्मचारी और निदेशकों से संपर्क करने की कोशिश भी सफल नहीं हुई। भुगतान बंद होने के बाद कारोबारी थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। पुलिस ने कारोबारी की शिकायत पर अपराध दर्ज करने की जगह शिकायत की कॉपी हैदराबाद के साइबराबाद स्थित आर्थिक अपराध शाखा में पहले से दर्ज मामलों से जोड़ने के लिए भेज दी थी।

मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीन की एप से होगी रूट मैपिंग, जान सकेंगे गाड़ी का स्टेटस

ग्लोबल गूच कंपनी ने प्रमुख मार्गों की रात्रिकालीन सफाई में लगाई हैं 7 रोड स्वीपिंग मशीनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के प्रमुख मार्गों की रात्रिकालीन सफाई में लगाई गई रोड स्वीपिंग मशीनों की अब रूट मैपिंग की जाएगी। किस रूट पर कौन-सी गाड़ी, किस समय, कहां लोकेशन पर है, इसका मिनटों में पता लगाना अब आसान होने वाला है। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग से अनुबंधित ग्लोबल गूच कंपनी की 7 रोड स्वीपिंग मशीनों को जीपीएस टेक्नालॉजी से अपने एप को अपग्रेड कर इन गाड़ियों की मॉनिटरिंग की जाएगी। इससे आने वाले दिनों में मैकेनाइज्ड तरीके से शहर के प्रमुख मार्गों की रात्रिकालीन सफाई करने वाली मशीनों से कराए जा रहे कार्यों की निगरानी का सिस्टम विकसित होगा।

दरअसल रायपुर नगर निगम द्वारा शहर में धूल के बारीक कणों को साफ करने प्रमुख मार्गों की रात्रिकालीन सफाई रोड स्वीपिंग मशीन से कराई जा रही है। 7 मशीनों से प्रतिदिन 150 किलोमीटर दायरे की सड़कों की सफाई कराई जा रही है, जिसमें टू लेन, फोरलेन और सिक्सलेन की चिन्हांकित सड़कें शामिल है। शहर में वायु प्रदूषण के स्तर में सुधार का एक प्रमुख कारण मैकेनाइज्ड तकनीक से शहर की रात्रिकालीन सफाई को भी माना गया है, जिसमें सड़कों और डिवाइडर की मशीनों द्वारा धुलाई तथा सफाई नगर निगम से अनुबंधित एजेंसी द्वारा कराई जा रही है।



जीपीएस टेक्नालॉजी से एप को करेंगे अपग्रेड

किस रूट पर कौन-सी गाड़ी, जल्द होगी मैपिंग

नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पांडे ने हरिभूमि को बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था के निगरानी सिस्टम को मजबूत करने निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर शहर के प्रमुख चिन्हांकित मार्गों की रात्रिकालीन सफाई करने वाली रोड स्वीपिंग मशीनों के लोकेशन ट्रेस करने और संबंधित गाड़ियां किस समय किन रूटों पर रोड स्वीपिंग कर रही हैं, इसकी जानकारी एप के माध्यम से अपडेट की जाएगी। हालांकि अनुबंधित एजेंसी द्वारा मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग कराने के लिए उपलब्ध गाड़ियों में पहले से ही जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है, पर अभी तक इसके रूट की मैपिंग का सिस्टम नहीं बन पाया था। अब इन गाड़ियों के रूट की मैपिंग की जाएगी। इसके लिए एप डाउनलोड कर जीपीएस टेक्नीक से इसे अपग्रेड करने जा रहे हैं।

इस रूट की गाड़ियों में ट्रायल के लिए ट्रैकिंग कैमरा

फुंडहर चौक से एयरपोर्ट मार्ग, संतोषीनगर से माता कौशल्या विहार कमल हॉटल के पास वाला रूट। इसी तरह टिकरापारा सिद्धार्थ चौक से माता कौशल्या विहार गेट तक। लालपुर चौक से लोक निर्माण विभाग के फ्लाईओवर होते हुए तेलीबांधा के मरीन ड्राइव होते हुए केनाल रोड वाला रूट।

7 गाड़ियों में लगेंगे ट्रैकिंग कैमरे, फिलहाल एक गाड़ी में ट्रायल

सूत्रों के मुताबिक, शहर की प्रमुख सड़कों की रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था मजबूत बनाने निगम से अनुबंधित एजेंसी अपने 7 गाड़ियों में ट्रैकिंग कैमरे लगाएगी। इसकी शुरुआत उसने हाल ही में अपने एक रोड स्वीपिंग मशीन में कैमरा लगाकर कर दी है। आने वाले दिनों में बाकी 6 मैकेनाइज्ड सफाई गाड़ियों में भी इसी तरह के ट्रैकिंग कैमरे लगाए जाएंगे। इसका एक फायदा ये होगा कि संबंधित एजेंसी वाले अपने मोबाइल से ऑनलाइन रोड स्वीपिंग मशीन की लाइव लोकेशन और संबंधित रूट की जानकारी रख पाएंगे। वहीं स्पॉट की सफाई पूर्व की स्थिति और रोड स्वीपिंग मशीन से सफाई होने के बाद की स्थिति की फोटो भी अपलोड की जाएगी।

पुराना मकान ढहाते खंबे पर गिरा मलबा, पोल क्षतिग्रस्त, बत्ती गुल

रायपुर। नगर निगम जोन-4 क्षेत्र स्थित बूढ़ापारा के हनुमान मंदिर के सामने एक पुराना जर्जर मकान को तोड़ते समय ठेकेदार के कर्मचारी ने अंदर वाले हिस्से में हैमर चला दिया, इसके चलते बाहर लगे हुए केबल और स्ट्रीट पोल क्षतिग्रस्त हो गया। कॉलम में अंदर से वायरिंग होने के कारण दोनों पोल बैंड होने की स्थिति निर्मित हुई। इसके चलते आसपास के क्षेत्र में विद्युत गुल होने से लोग परेशान हुए।

जिस जगह पर यह जर्जर मकान स्थित है, वहीं से थोड़ी दूर पर जोन-4 अध्यक्ष का कार्यालय भी है। चूंकि तोड़फोड़ के समय ठेकेदार गली में आने-जाने वालों को सचेत कर रहा था, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा ने बताया कि जिस जगह जर्जर मकान को तोड़ने का काम किया जा रहा था, उस गली में घटना के समय कोई नहीं होने से कोई अप्रिय घटना होने बच गई। इलाके के ट्रांसफार्मर को हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। घटना के कुछ देर बाद शिकायत के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने स्थल पर आकर विद्युत आपूर्ति शुरू कराई।

चौकीदार को बंधक बनाकर बंद फैक्ट्री में डाली डकैती

तीन बदमाश गिरफ्तार, अन्य की पतासाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कबीर नगर थाना क्षेत्र के हीरापुर स्थित बंद फैक्ट्री में चौकीदार को बंधक बनाकर डकैती डालकर 17 लाख रुपए से ज्यादा कीमत के कॉपर वायर तथा अन्य सामान ले जाने वाले तीन शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने घटना में इस्तेमाल दोपहिया तथा चारपहिया वाहन जब्त किया है। इन आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थाना क्षेत्र में नकबजनी, मारपीट तथा प्रतिबंधात्मक धारा के तहत अपराध दर्ज हैं। घटना में शामिल अन्य बदमाशों की पुलिस पतासाजी कर उनकी जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

दिलीप कुमार वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने डीडीनगर निवासी संदीप नेताम, अजीत भारती, तेलीबांधा निवासी उमेंद्र ठाकुर उर्फ उमेन को गिरफ्तार किया है। दिलीप ने पुलिस को बताया कि अमरनाथ इस्पात में वह चौकीदारी का काम करता है।



बिलासपुर रोड से तेलीबांधा पहुंचे

घटना में शामिल बदमाशों ने दीवार तोड़कर घटनास्थल से कुछ दूरी पर छोटा हाथी वाहन में सभी सामान लोड किया और बिलासपुर रोड से होते हुए तेलीबांधा पहुंचकर सभी सामान छिपाकर रख दिया। आरोपियों को पकड़ने पुलिस ने तीन हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फूटेज की जांच की।

दीवार तोड़कर सामान लेकर भागे

चौकीदार के विरोध करने पर बदमाशों ने उसके दोनों हाथ पीछे की ओर रस्सी से बांध दिए। इसके बाद सभी आरोपियों ने ऑफिस में प्रवेश कर वहां से एल्युमिनियम वायर बंडल, एल्युमिनियम एवं कॉपर के सामान, एल्युमिनियम प्लेट, हैलोजन लाइट, दराज में रखे कैश, आलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखा पैनल कार्ड तथा फैक्ट्री में रखे कॉपर क्वाइल को धकेलते हुए अंधेरे की ओर ले गए तथा फैक्ट्री की साइड की दीवार तोड़कर खेत के रास्ते रिंगरोड की ओर ले जाकर फरार हो गए।

पेज 11 के शेष

रायपुर पहुंची सारंग की टीम...

भरने वाली सारंग टीम अपनी सटीक उड़ान, समन्वित संरचनाओं और रोमांचक हवाई करतबों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट उड़ान कौशल, अनुशासन, टीम भावना और पेशेवर दक्षता के साथ भारत की स्वदेशी हेलीकॉप्टर क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। शासन ने कहा, यह आयोजन नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और विमानन में रुचि रखने वालों को हेलिकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान में सटीकता और आपसी तालमेल देखने का अवसर प्रदान करेगा। राज्योत्सव में सारंग की भागीदारी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने के साथ भारतीय वायु सेना और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच जुड़ाव को और सुदृढ़ करेगी।

नागरिकों के लिए मोबाइल ...

मोबाइल टॉयलेट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। सभी संबंधित विभागों को आपस में बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे एयर शो के दौरान आने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

रायपुर से बिलासपुर और...

रायपुर से सिमगा के बीच जीके टाउनशिप में सर्विस लेन, जबकि सांकरा और सिलतरा में छह लेन फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। वहीं सिमगा से बिलासपुर के बीच खरगेना, वन सांकरा जंक्शन, दरचुरा, मोहभट्टा, मोहदा मोड़ और खंडवा मोड़ जैसे खतरनाक हिस्सों में फ्लाईओवर या व्हीकल अंडरपास बनाए जाएंगे। एनएचएआई ने सिलतरा फ्लाईओवर के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। निर्माण एजेंसी को 18 माह में काम पूरा करना होगा। अधिकारियों का दावा है कि इससे ब्लैक स्पॉट खत्म होंगे और ट्रैफिक सुगम बनेगा। रायपुर से बिलासपुर नेशनल हाईवे पर तीन वर्षों में 52 एक्सीडेंट में 45 लोगों की मौत हुई है। रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर 107 रोड एक्सीडेंट में 128 लोगों की मौतें हुई हैं।

किसानों के 6066 करोड़ रुपए के बकाया भुगतान की मांग

रायपुर। प्रदेश किसान संघ की रायपुर से नारायणपुर तक निकाली जा रही 'दाम-सत्याग्रह किसान भुगतान यात्रा' का जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने समर्थन किया है। प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी के निर्देश पर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता भगवानू नायक किसानों के बीच पहुंचे और उनकी मांगों का समर्थन किया। रायपुर से नारायणपुर तक आयोजित यह यात्रा 26 से 31 अक्टूबर तक विभिन्न जिलों से होकर गुजरेगी।

श्री नायक ने कहा, किसान संघ के अनुसार, धान खरीदी और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत लगभग 6,066 करोड़ रुपए का भुगतान बकाया है। उन्होंने इस वर्ष धान का 3,358 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान करने और समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देने की मांग भी उठाई। उन्होंने सरकार से दिवाली से पहले किसानों की लंबित राशि जारी करने की मांग करते हुए कहा, किसानों की मेहनत का पैसा रोकना उनके परिवार की खुशियों को प्रभावित करना है।

खबर संक्षेप



सरोरा में नियमित चिकित्सक की नियुक्ति को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

तरपोंगी। उप स्वास्थ्य केंद्र सरोरा में लंबे समय से नियमित चिकित्सक न होने के कारण ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (तिल्दा) तथा क्षेत्रीय विधायक के चिकित्सा प्रतिनिधि डॉ. एल.पी. साहू को ज्ञापन सौंपकर जल्द समाधान की मांग की है। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि नियमित डॉक्टर की गैरमौजूदगी से गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं, बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है और उन्हें दूरस्थ अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. भोला राम साहू, नारायण पाल, मुकेश कुमार साहू और हिमांशु साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वास्थ्य विभाग से यहां शीघ्र डॉक्टर की तैनाती सुनिश्चित करने की पुरजोर मांग की है।

उपरवारा में आज लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

अभनपुर। ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरोज सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, सेक्टर-9, नया रायपुर द्वारा आज मंगलवार को ग्राम उपरवारा स्थित ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। शिविर में योग्य चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया जाएगा। इस दौरान फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच (पीएफटी), रक्तचाप, शुगर तथा हृदय की प्रारंभिक जांच (ईसीजी) की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत उपरवारा की सरपंच हेमा तुलाराम पटेल एवं पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग रहेगा। आयोजकों ने ग्रामीणों से शिविर में पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लेने की अपील की है।

इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में पहले दिन चमके खिलाड़ी, उमेंद्र और कोमल रहे 'मैन ऑफ द मैच'

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग।

आरंग युवा एवं खेल संगठन द्वारा संचालित आरंग क्रिकेट क्लब की ओर से आरंग ब्लॉक स्तरीय इंटर स्कूल क्रिकेट चैंपियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं टॉस कराकर किया।

इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि खिलेश धुरंधर, आरंग युवा एवं खेल संगठन के संरक्षक योगेंद्र चंद्राकर, अध्यक्ष अमन साहू, अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ी पोषण ध्रुव, अनुज साहू, प्रशिक्षक अश्वनी रात्रे एवं राजेश्वरी रात्रे उपस्थित रहे।

इंटर स्कूल क्रिकेट चैंपियनशिप शुरू



पीएम श्री अरुंधति देवी और मंदिरहसौद ने जीता पहले मैच

आज का पहला मैच पीएम श्री अरुंधति देवी स्कूल आरंग और मदर्स प्राइड स्कूल आरंग के बीच खेला गया। मदर्स प्राइड स्कूल आरंग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चिन्मय चंद्राकर के 20 रन और रियांश चंद्राकर के 18 रनों की बदौलत 8 विकेट खोकर 107 रन बनाए। पीएम श्री अरुंधति देवी स्कूल आरंग की ओर से तन्मय, बिट्टू और उमेंद्र ने 2-2 विकेट लिए। पीएम श्री अरुंधति देवी स्कूल आरंग ने सौम्य के 17 रन और उमेंद्र के 40 रनों की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। उमेंद्र को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मदर्स प्राइड स्कूल आरंग की ओर से रियांश चंद्राकर ने 4 विकेट और मोक्ष चंद्राकर ने 2 विकेट लिए। दूसरा मैच स्वामी आत्मानंद स्कूल मंदिरहसौद और गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग के बीच खेला गया। गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्वामी आत्मानंद स्कूल मंदिरहसौद ने नारायण के 24 रन और कोमल के 76 रनों की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 177 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग की ओर से अरमान ने 3 विकेट और पृथ्वी साहू ने 2 विकेट लिए। गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंग लक्ष्य का पीछा करते हुए अवि अरुण बारीक की 57 रनों और समर प्रताप यदु की 21 रनों की शानदार पारियों के बावजूद 152 रनों पर ही सिमट गई। स्वामी आत्मानंद स्कूल मंदिरहसौद की ओर से चिरंजीव ने 3 विकेट और सौरभ ने 2 विकेट लिए। कोमल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

निरीक्षण तालाब गहरीकरण और निर्माण कार्यों का लिया जायजा

जिला पंचायत सीईओ ने किया विकास कार्यों का औचक निरीक्षण, स्कूलों में जांची शिक्षा की गुणवत्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग



शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन ने विकासखंड आरंग की विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रगतिरत विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, कार्यस्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं, शिक्षा की गुणवत्ता तथा आजीविका संवर्धन से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत ग्राम पंचायत दरबा से हुई, जहां मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने वीबी-जी राम जी योजनांतर्गत प्रगतिरत तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यस्थल पर उपलब्ध दवा पेटी एवं मेट माप पंजी का अवलोकन किया तथा एनएमएमएस (नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम) के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया का भी जायजा लिया।

ग्राम सोनपैरी में तालाब उन्नयन कार्य का निरीक्षण किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने वीबी-जी राम जी योजनांतर्गत कार्यस्थल पर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा कार्यस्थल पर पानी पिलाने वाली महिला से पानी लेकर पिया। उन्होंने ग्राम में प्रगतिरत बालिका शौचालय निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और सरपंच एवं संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। ग्राम दरबा एवं सोनपैरी में प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों से पहाड़े सुने, त्रैमासिक परीक्षा के परिणाम देखे तथा विद्यार्थियों को दिए गए गृहकार्य की जांच की। विद्यार्थियों की पढ़ाई एवं गृहकार्य की स्थिति का जायजा लिया तथा शिक्षकों को प्रतिदिन गृहकार्य जांचने और विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए।

ग्राम छतौना मं. में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सीएलएफ द्वारा कराए जा रहे पौधारोपण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं आजीविका के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक डबरी निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिए। साथ ही बिहान योजना के अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका एवं कृषि संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ही उत्पादों का मूल्य संवर्धन भी हो सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं के अंतर्गत संचालित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। साथ ही वीबी-जी राम जी योजनांतर्गत कार्यस्थल पर श्रमिकों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए, जिससे श्रमिकों को इसका अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर जनपद पंचायत आरंग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेंद्र पाण्डेय, वीबी-जी राम जी के कार्यक्रम अधिकारी अनिल चंद्राकर, ग्राम पंचायत दरबा के सरपंच संजय टंडन, ग्राम पंचायत सोनपैरी की सरपंच संतोषी नंदराज साहू, ग्राम पंचायत छतौना मं. के सरपंच भोजराज यदु सहित संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

सालों से फरार 7 वारंटियों को पुलिस ने एक ही दिन में दबोचा

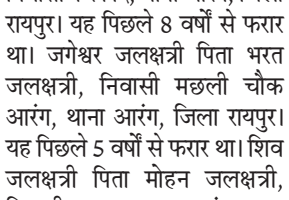

आरंग। थाना आरंग पुलिस ने फरार वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग प्रकरणों में लंबे समय से फरार चल रहे 7 वारंटियों को एक ही दिन में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। इनमें एक वारंटी पिछले 8 वर्षों से, जबकि दूसरा 5 वर्षों से फरार चल रहा था। लंबे समय से फरार इन वारंटियों के कारण कई प्रकरण न्यायालय में लंबित थे। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आरंग शिवेन्द्र कुमार टेकाम के न्यायालय से 6 आरोपियों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। वहीं, एक आरोपी के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रायपुर चन्द्रप्रताप सिंह के न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी था। सभी आरोपी अपने-अपने प्रकरणों में न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे थे और लंबे समय से फरार चल रहे थे। थाना प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि लंबे समय से फरार वारंटी अपने-अपने गांव और आसपास के इलाकों में देखे गए हैं। सूचना मिलते ही थाना आरंग की विशेष टीम को सक्रिय किया गया। टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर सभी वारंटियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद वारंट की तस्दीक कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटियों के नाम - परमानंद विश्वकर्मा पिता बिहारी, उम्र 35 वर्ष, निवासी फरफौद, थाना आरंग, जिला रायपुर। यह पिछले 8 वर्षों से फरार था। जगेश्वर जलक्षत्री पिता भरत जलक्षत्री, निवासी मछली चौक आरंग, थाना आरंग, जिला रायपुर। यह पिछले 5 वर्षों से फरार था। शिव जलक्षत्री पिता मोहन जलक्षत्री, निवासी रामसागर पारा आरंग, थाना आरंग, जिला रायपुर। जितेन्द्र ध्रुव पिता बहुर सिंह ध्रुव, निवासी कुरूद, थाना आरंग, जिला रायपुर। नंदकुमार साहू पिता रूंगुराम साहू, निवासी चपरीद, थाना आरंग, जिला रायपुर। मुरारी पाल पिता गजरू पाल, निवासी शीतलापारा आरंग, थाना आरंग, जिला रायपुर। खिलेन्द्र साहू पिता खेमलाल, निवासी देवरी, थाना आरंग, जिला रायपुर। इसके विरुद्ध रायपुर न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने सभी 7 वारंटियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। न्यायालय के आदेशानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

5 .84 लाख की लागत से बालाजीपुरम कॉलोनी वासियों को मिली सौगात



आरंग। नगर पालिका परिषद आरंग के अंतर्गत बालाजीपुरम कॉलोनी (वार्ड क्र. 15) में 15वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत दो सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी होने से स्थानीय नागरिकों में हर्ष का माहौल है। वार्ड क्र. 15 में कुल 5.84 लाख रुपये की लागत से दो महत्वपूर्ण मार्गों का निर्माण कराया जाएगा। इंद्रकुमार के घर से अमित गुरु के घर तक सीसी रोड निर्माण (लागत 2.92 लाख रुपये) तथा गिरधर साहू के घर से अरविंद गुप्ता के घर तक सीसी रोड निर्माण (लागत 2.92 लाख रुपये) का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन के मुख्य आतिथ्य में तथा चर्म शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा ने संयुक्त रूप से कहा कि आरंग नगर के सभी वार्डों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और विकास कार्य निरंतर जारी रहेगा। इस गरिमामय कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष हिरामन कोसले, वार्ड पार्षद नरेंद्र लोधी, केके भारद्वाज, सुशील जलछत्री, इंजीनियर केशनाथ साहू, पिंटू कुर्रे, संतोष हरदाहे, सूर्या चन्द्राकर, इंद्र कुमार साहू, सतीश भूतड़ा, हरमोहन बांधे, गिरधर साहू, दयाराम कृष्णा, मोहन यादव, अमित गुरु, नरसिंग पटेल सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

बच्चों को दी शारीरिक, मानसिक विकास और संतुलित आहार की जानकारी



आरंग। सोमवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास की जानकारी दी गई। इस अवसर पर काउंसलर चंद्रशेखर राव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि किशोरावस्था में उम्र के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तन होते हैं। यदि इस दौरान किसी प्रकार की समस्या या कमी महसूस हो, तो बिना संकोच किए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

उन्होंने बच्चों को पोषण और संतुलित आहार का महत्व बताते हुए कहा कि अनाज और सब्जियों को बदल-बदलकर खाना चाहिए। साथ ही बच्चों को गुड टच-बैड टच और एचआईवी के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस मौके पर शाला प्रधान सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

धान खरीदी में विसंगतियों से किसानों में रोष, पटवारियों की मांगों का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी

24 अक्टूबर छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को लेकर किसानों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। गिरदावरी रिपोर्ट, मूल खसरा, रकबा और एग्रीस्टैक पोर्टल में दर्ज आंकड़ों के बीच विसंगतियों के कारण किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी होने की आशंका है।

> ■ गिरदावरी और रकबे की त्रुटियों से किसानों को हो रहा नुकसान, सरकार तत्काल निकाले समाधान : उधो वर्मा

इन समस्याओं को लेकर उधो वर्मा ने राज्य सरकार की धान खरीदी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए किसानों को हो रही परेशानियों का तत्काल निराकरण करने की मांग की है।

उन्होंने हड़ताल कर रहे पटवारियों की जायज मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से बातचीत के जरिए हड़ताल समाप्त कराने की अपील की है।

गिरदावरी और रकबे की त्रुटियों से किसान परेशान

उधो वर्मा के अनुसार, गिरदावरी में खरीफ और रबी फसलों के विवरण तथा अन्य फसलों की प्रविष्टियों में विसंगतियों के कारण कई किसानों के धान के रकबे में कमी दिखाई दे रही है। इससे समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए पात्र रकबा निर्धारण प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि राजस्व रिकॉर्ड और पोर्टल में दर्ज जानकारी का सही मिलान कर त्रुटियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी किसान को उसकी वास्तविक कृषि भूमि और उत्पादन के आधार पर मिलने वाले लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि ग्राम निलजा के किसान दौलत वर्मा के एग्रीस्टैक में पंजीकृत होने के बावजूद पोर्टल पर रकबा कम प्रदर्शित होने की शिकायत सामने आई है। इस तरह की समस्याओं का शीघ्र समाधान होना चाहिए, जिससे किसानों को धान बेचने के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

सहखातेदारों के बीच बढ़ रहे विवाद

उधो वर्मा ने कहा कि एग्रीस्टैक और भूमि संबंधी रिकॉर्ड में विसंगतियों के कारण सहखातेदार किसानों के बीच भी कानूनी एवं पारिवारिक विवाद बढ़ने की आशंका है। संयुक्त खातों वाली कृषि भूमि में वास्तविक खेती करने वाले किसानों की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। यदि रिकॉर्ड में त्रुटियां बनी रहती हैं, तो इसका सीधा असर किसानों के धान खरीदी पंजीयन और बिक्री पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि राजस्व अभिलेखों में सुधार और किसानों की वास्तविक स्थिति का सत्यापन पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए।

अग्रसेन योगासन शाखा में हुई शस्त्र-शास्त्र की पूजा

आरंग। अग्रसेन योगासन शाखा एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर अग्रवाल पारा के संयुक्त तत्वावधान में मंदिर परिसर में त्याग, तपस्या, शौर्य एवं विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग में नित्य दिनचर्या के आसन, प्राणायाम, ध्यान योग एवं संघ प्रार्थना के बाद मुख्य अतिथि रामू मिर्धा, कार्यक्रम के अध्यक्ष अरविंद चन्द्राकर एवं विशिष्ट अतिथि केके भारद्वाज द्वारा भारत माता, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एवं गुरुजी सदाशिव गोलवलकर के छायाचित्रों तथा शस्त्रों की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मुख्य अतिथि रामू मिर्धा ने विजयादशमी पर शस्त्र पूजन के अवसर पर अपने उद्बोधन में बताया कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने किस प्रकार भारतीय संस्कृति में शस्त्रों की पूजा की परंपरा को जीवंत रखा और जन-जन तक पहुंचाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अरविंद चन्द्राकर ने शास्त्र एवं शस्त्र की महत्ता पर कहा कि शास्त्र की बातें हमेशा होती रहती हैं, किंतु शस्त्र की नहीं। यह उपासना का पर्व है। जयशंकर यादव ने माला एवं भाला पर चर्चा करते हुए कहा कि माला से स्वाध्याय करते हैं, किंतु भाले से आत्मरक्षा करते हैं। इस अवसर पर रविन्द्र अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, अभिनेष अग्रवाल, ओम गुप्ता, दीपक साहेब, गुरुगोस्वामी, बलराम साहू, गोपाल पाल, कृष्ण कुमार वर्मा एवं रामकुमार कंसारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार ठाकुर ने किया तथा आभार बृजेश अग्रवाल ने व्यक्त किया।



संयंत्र में झुलसे श्रमिक गंभीर, अस्पताल में इलाज जारी

सिलयारी। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जरौदा में स्थित नूतन इस्पात एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड में शुक्रवार 24 अक्टूबर को दोपहर में बड़ा हादसा हो गया। कंपनी में गैस पाइपलाइन फटने से दो मजदूर आग की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए। घायलों की पहचान ग्राम पंचायत पवनी के उपसरपंच नीलकंठ साहू एवं तिल्दाड़ी निवासी भगतराम निर्मलकर के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल रायपुर के पचपेड़ी नाका स्थित एक निजी अस्पताल कालड़ा बर्न हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों मजदूर कंपनी में नियमित कर्मचारी थे और वेरीफिकेशन मेंटेनेंस का काम करते थे। काम के दौरान अचानक गैस पाइपलाइन में विस्फोट हो गया, जिससे यह हादसा हुआ।

इंटक अध्यक्ष ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना :- इस हादसे की जानकारी मिलने पर इंटक ब्लॉक धरसींवा के अध्यक्ष रतन सोलंकी रायपुर के कालड़ा बर्न हॉस्पिटल पहुंचे।

उन्होंने अस्पताल में उपचाररत घायलों से मुलाकात की तथा संबंधित डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य, उपचार और वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी ली। रतन सोलंकी ने घायलों के परिजनों से बातचीत कर उनकी कुशलक्षेम जानी और इस कठिन समय में उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पेज 11 के शेष...

रायपुर पहुंची सारंग ...

भरने वाली सारंग टीम अपनी सटीक उड़ान, समन्वित संरचनाओं और रोमांचक हवाई करतबों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट उड़ान कौशल, अनुशासन, टीम भावना और पेशेवर दक्षता के साथ भारत की स्वदेशी हेलीकॉप्टर क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। शासन ने कहा, यह आयोजन नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और विमानन में रुचि रखने वालों को हेलिकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान में सटीकता और आपसी तालमेल देखने का अवसर प्रदान करेगा। राज्योत्सव में सारंग की भागीदारी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने के साथ भारतीय वायु सेना और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच जुड़ाव को और सुदृढ़ करेगी।

नागरिकों के लिए ...

मोबाइल टॉयलेट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। सभी संबंधित विभागों को आपस में बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे एयर शो के दौरान आने वाले नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

रायपुर से बिलासपुर ...

रायपुर से सिमगा के बीच जीके टाउनशिप में सर्विस लेन, जबकि सांकरा और सिलतरा में छह लेन फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। वहीं सिमगा से बिलासपुर के बीच खरगेना, वन सांकरा जंक्शन, दरचुरा, मोहभट्टा, मोहदा मोड़ और खंडवा मोड़ जैसे खतरनाक हिस्सों में फ्लाईओवर या व्हीकल अंडरपास बनाए जाएंगे। एनएचएआई ने सिलतरा फ्लाईओवर के लिए टेंडर भी जारी कर दिया है। निर्माण एजेंसी को 18 माह में काम पूरा करना होगा। अधिकारियों का दावा है कि इससे ब्लैक स्पॉट खत्म होंगे और ट्रैफिक सुगम बनेगा। रायपुर से बिलासपुर नेशनल हाईवे पर तीन वर्षों में 52 एक्सीडेंट में 45 लोगों की मौत हुई है। रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर 107 रोड एक्सीडेंट में 128 लोगों की मौतें हुई हैं।

:: आम सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्री बंटी शर्मा पिता शंकर शर्मा निवासी-कृष्णा नगर, रायपुर तह. व जिला-रायपुर छ.ग. के द्वारा वाके मौजा ग्राम-बोरियाखुर्द प.ह.नं.-118/71 रा.नि.मं.-रायपुर (बोरियाखुर्द) में स्थित भूमि खसरा नं. 111/17 रकबा 0.200 हे. भूमि को क्रय करने का सौदा पक्का कर सम्पूर्ण प्रतिफल की राशि अदा किया जा चुका है तथा विक्रेता द्वारा उक्त वर्णित भूमि खसरा नं. 111/17 रकबा 0.200 हे. को विक्रेता श्री घनश्याम दास आत्मज स्व. गोवर्धन पोद्दार निवासी-नगर निगम कालोनी, रायपुर के द्वारा उक्त भूमि का पंजीयन न कर किसी अन्य को विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है तथा मेरे पक्षकार को पंजीयन करने का हिला हवाला किया जा रहा है।

अतः उपरोक्त भूमि को किसी भी व्यक्ति संस्था, साहूकार के द्वारा क्रय न करें तथा किसी अन्य के द्वारा क्रय करने पर किसी प्रकार का स्वत्व हक एवं कब्जा प्राप्त नहीं होगा। सो सूचना जानें।

रायपुर छ.ग. दिनांक 26.10.2026

भवदीय
संजय यादव, अधिवक्ता
शॉप नं.-ओ.एम.-1, द्वितीय तल, अशोका मिलेनियम, रिंग रोड, राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
मो. नं.- 9893933086



रायपुर आने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों के जनरल कोच में गंदगी, सफाई का दावा फेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेनों के जनरल कोच में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के रेलवे के दावे जमीनी स्तर पर असरदार नजर नहीं आ रहे हैं। सोमवार को रायपुर पहुंची छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के जनरल कोच के बाथरूम में गंदगी मिली और सफाई नजर नहीं आई।

ट्रेनों में सामने आई इस स्थिति ने रेलवे की नई सफाई नीति और उसकी निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दो दिन पहले ही रेलवे की 'बेटर ऑन-बोर्ड सर्विसेज' नीति को लेकर आदेश जारी हुआ था। इसमें बताया गया था कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एसी और स्लीपर कोच के साथ जनरल कोच की सफाई पर भी विशेष ध्यान देने की योजना बनाई है। इसके तहत सफाई का समय निर्धारित करने, मोबाइल ऐप से निगरानी करने और एआई आधारित वार रूम के जरिए सफाई की तस्वीरों की जांच करने की व्यवस्था का दावा किया गया है। लेकिन सोमवार को रायपुर पहुंची ट्रेनों के जनरल कोच में गंदगी मिलने से रेलवे के दावे बेअसर हो चुके हैं। स्टेशन में छग एक्सप्रेस के आने के बाद कोई कर्मचारी सफाई करता हुआ नहीं दिखा। ट्रेन में गंदी थी।

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के बाथरूम में नहीं दिखी सफाई, दो दिन पहले रेलवे ने नई नीति के तहत बेहतर व्यवस्था का किया था दावा

नहीं दिखा शौचालय में विशेष बदलाव

जनरल कोच में बड़ी संख्या में यात्री लंबी दूरी का सफर करते हैं। ऐसे में बाथरूम में गंदगी और सफाई का अभाव यात्रियों की परेशानी बढ़ाता है। रेलवे की नई नीति से उम्मीद थी कि सामान्य कोच में भी सफाई व्यवस्था सुधरेगी, लेकिन नीति लागु होने के बाद भी विशेष बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। ऐसे में रेलवे का 52 सप्ताह में 52 सुधार का लक्ष्य पूरा होना मुश्किल लग रहा है। रायपुर में शौचालय की सफाई नहीं हो रही है।

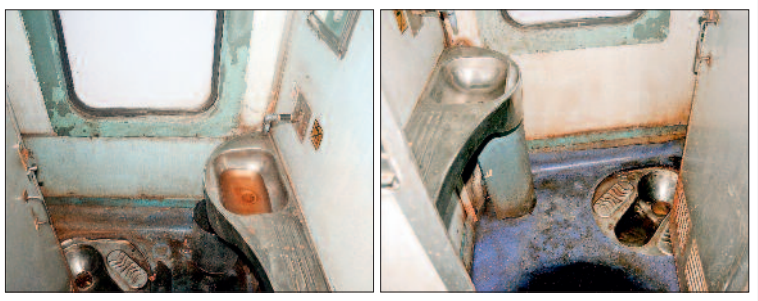

दो घंटे में सफाई के बाद भी गंदगी

रेलवे की घोषित व्यवस्था के अनुसार, सुबह 6 से 9 बजे और रात 8 से 10 बजे तक शौचालयों की हर घंटे सफाई की जानी है। अन्य समय में प्रत्येक दो घंटे के अंतराल पर सफाई का प्रावधान है। कोच, प्रवेश द्वार और कूड़ेदानों की भी नियमित सफाई की जानी है। बता दें कि बिलासपुर में छत्तीसगढ़ की सफाई होनी है, वही हमसफर एक्सप्रेस और उधमपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस की दुर्ग में सफाई की जिम्मेदारी है।सोमवार को बिलासपुर से रायपुर पहुंची छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में वही हाल था। कोच में भी गंदगी फैली हुई थी। रेलवे का दावा था कि सफाई कर्मचारियों को मोबाइल ऐप पर सफाई से पहले और बाद की तस्वीरें जियो-टैग और समय के विवरण के साथ अपलोड करनी होंगी। इन तस्वीरों की एआई आधारित वार रूम में जांच किए जाने की भी व्यवस्था बताई गई है।

खबर संक्षेप



विजयादशमी पथसंचलन में शामिल हुए स्वयंसेवक

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पुरानी बस्ती नगर की श्रीराम मंदिर प्रभात शाखा में विजयादशमी पथसंचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 60 स्वयंसेवक शामिल हुए। इस मौके पर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत प्रचारक अभयराम कुंभकार ने कहा कि दुर्बलों की बात कोई मानता नहीं है, सबल की बात कोई टालता नहीं, जिस प्रकार वायु के तेज से दीपक बुझ जाता है, लेकिन वहीं जंगल में जब आग लगती है तो वह वायु उसकी सहायक बन जाती है और आग तेज गति से जलने लगती है। ठीक उसी प्रकार स्वयंसेवक को भी बलिष्ठ बनना है, ताकि समाज हमारी बातों को सुनें और अमल करें। उन्होंने आगे यह भी कहा कि संघ ने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन की मुहिम चलाई थी, वह सभी स्वयंसेवक अपने जीवन में उतारें। कार्यक्रम में डा. अमर अग्रवाल, गणेश प्रसाद सोनी, अशोक कुमार शर्मा, विजय सोना, सुरेश कुंभलकर, विकास सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

पीएम के पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी से पिछड़ा वर्ग में आक्रोश

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे द्वारा किए जाने पर छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग संगठन ने कड़े शब्दों में निंदा की है। संगठन ने कहा है कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की विवादास्पद टिप्पणी से छत्तीसगढ़ के पिछड़ा वर्ग के समाज में आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अगर छत्तीसगढ़ दौरा करते हैं तो उनका लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध किया जाएगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़ा वर्ग की धरोहर हैं, फिर भी किसी के दिवंगत पिता के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी करना किसी राजनेता को शोभा नहीं देता। संगठन के अन्य नेताओं में साहू समाज के सोमनाथ साहू, युवा सेन समाज के महासचिव बालाराम सेन, देवांगन समाज के पदाधिकारी रमेश देवांगन, मुकेश देवांगन, कलार समाज के महासचिव राजा जायसवाल, मानिकपुरी समाज के उपाध्यक्ष देवदास मानिकपुरी, कुर्मी समाज के संगठन मंत्री गोपाल वर्मा छत्तीसगढ़ प्रवक्ता एवं सचेतक हीरालाल निर्मलकर, छत्तीसगढ़ धोबी समाज युवा महामंत्री पिंटू निर्मलकर सहित अनेक नेताओं आदि ने विरोध जताया है।

उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान आज, मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित

रायपुर। मनहरण लाल पाण्डेय स्मृति संस्थान द्वारा 27 अक्टूबर को उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। यह कार्यक्रम सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस के नए हॉल में दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा। यह जानकारी राकेश तिवारी ने देते हुए बताया कि कार्यक्रम किसान नेता एवं सिंचाई पुरुष स्व. मनहरण लाल पाण्डेय की 88वीं जयंती के अवसर पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि मंत्री रामविचार नेताम करेंगे। प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह की उपस्थिति व अतिविशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक एवं प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, राम गर्ग, प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा आलोक सिंह ठाकुर एवं रिटायर्ड आईएएस अनुराग पाण्डेय कार्यक्रम में शामिल रहेंगे।



जांच दो महीने में, विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलेगा

परीक्षा में संगठित नकल कराने पर अब 10 साल तक की जेल, जुर्माना 10 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल और संगठित गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) कानून में सख्ती बढ़ाई है। संशोधन के तहत कुछ अपराधों में अधिकतम सजा 10 साल तक और जुर्माना 10 करोड़ रुपए तक हो सकता है। जांच दो महीने में पूरी करने, विशेष कार्यबल गठित करने और विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों में मामलों की सुनवाई का भी प्रावधान किया गया है।

खास बात ये है कि ये कानून केंद्र सरकार का है, ये राज्य पर भी लागू होगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस नए कानून से सभी लोगों को अवगत करने के लिए इसे राजपत्र में प्रकाशित किया है। संशोधन के अनुसार, धारा 10(1) के तहत आने वाले अपराधों में न्यूनतम सजा तीन साल से बढ़ाकर पांच साल और अधिकतम सजा पांच साल से बढ़ाकर 10 साल की गई है। इस श्रेणी में जुर्माने की अधिकतम सीमा भी 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दी गई है।

खास खबर

केंद्र ने लोक परीक्षा कानून में किए बदलाव छत्तीसगढ़ में होंगे लागू, अधिसूचना जारी



नीट पेपर लीक के बाद परीक्षा व्यवस्था पर सवाल

नीट यूजी-2026 में कथित पेपर लीक की शिकायत के बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी। संसद में जुलाई 2026 में पेश संशोधन विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में निष्पक्षता मजबूत करना, जांच को समयबद्ध बनाना और मुकदमों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना बताया गया था। माना जा रहा है कि नकल संबंधी 2024 के कानून में बदलाव के साथ उसे और कड़ा करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

जुर्माना एक करोड़ से बढ़कर पांच करोड़, सजा आठ साल

पुराने कानून में बदलाव के बाद अब ये प्रावधान किया गया है कि धारा 10(2) के तहत जुर्माने की राशि एक करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए और अधिकतम सजा चार साल से बढ़ाकर आठ साल की गई है। धारा 10(3) के तहत अधिकतम सजा तीन साल से बढ़ाकर पांच साल और जुर्माना एक करोड़ से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए किया गया है। वहीं धारा 11 के तहत संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा पांच साल से बढ़ाकर सात साल और न्यूनतम जुर्माना एक करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए किया गया है।

जांच दो माह में, फास्ट ट्रैक कोर्ट में रोज सुनवाई

संशोधन में अपराधों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करने का प्रावधान है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद सत्र न्यायालयों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट के रूप में नामित करना होगा। इन अदालतों में मामलों की सुनवाई दिन-प्रतिदिन के आधार पर होगी। आरोपपत्र दाखिल होने के बाद मुकदमा तीन महीने के भीतर पूरा करने का प्रावधान भी किया गया है। राज्यों को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने होंगे। विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट के गैर-अंतरिम आदेशों और फैसलों के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की व्यवस्था भी की गई है। अपीलों के निपटारे के लिए तीन महीने की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

नक्सलवाद के बाद दिमागी नक्सलियों को भी समाप्त करना जरूरी



■ अभाविप की 'अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ' रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार को 'अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ' रैली निकाली। विद्यार्थियों ने रैली निकालकर 'अराजकता रोको, लोकतंत्र अपनाओ' का संदेश दिया। रैली के माध्यम से आह्वान किया गया कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था संविधान, कानून और जनता के मताधिकार पर आधारित है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं को दबाव में लाने तथा अराजकता के माध्यम से राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति करने के प्रयास स्वीकार्य नहीं हैं। निर्वाचन प्रक्रिया अथवा किसी भी संवैधानिक व्यवस्था से संबंधित शिकायतों का समाधान संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से किया जाना चाहिए।

रैली के अंतर्गत सप्रे मैदान से जनसंपर्क कार्यालय तक विद्यार्थी हुंकार प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन में अभाविप की पूर्व राष्ट्रीय मंत्री एवं केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य शालिनी वर्मा, छत्तीसगढ़ प्रांत मंत्री अनंत सोनी सहित 100 से अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रदर्शन में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

तय हो जवाबदेही

अभाविप की केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य शालिनी वर्मा ने कहा, लोकतंत्र में विरोध करना सबका अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता, भ्रामक प्रचार और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास फैलाना स्वीकार्य नहीं है। जैसे छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद समाप्त हुआ है वैसे ही अब आने वालें कुछ वर्षों में इन दिमागी नक्सलियों को भी समाप्त करेंगे। प्रदेश मंत्री अनंत सोनी ने कहा, यदि कोई संगठन या व्यक्ति राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का समर्थन करता है, तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। लोकतंत्र की स्वतंत्रता का अर्थ देश में अराजकता फैलाने की छूट नहीं है। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सह मंत्री हेमांशु कौशिक, प्रदेश सह मंत्री प्रथम फूटाने, रायपुर महानगर मंत्री सजल गुप्ता, छात्रा प्रमुख हर्षित कौर सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से गिरदावरी पर फंसा पेंच धान खरीदी की तैयारियों पर संकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी शुरू होने से पहले पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने राजस्व व्यवस्था के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। खरीफ फसलों की गिरदावरी, खेतों में बोई गई फसल का सत्यापन और राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने जैसे महत्वपूर्ण काम पटवारियों की भूमिका से जुड़े हैं। ऐसे में हड़ताल लंबी खिंचने पर धान खरीदी की तैयारियों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। सबसे बड़ी चिंता किसानों के पंजीयन और खेतों में वास्तविक रूप से बोई गई फसल के रिकॉर्ड के बीच तालमेल बनाए रखने को लेकर है। राज्य में धान खरीदी की प्रक्रिया में गिरदावरी के आंकड़ों का महत्वपूर्ण स्थान है। खेत में कौन-सी फसल बोई गई है, उसका रकबा कितना है और राजस्व रिकॉर्ड में उसका विवरण सही तरीके से दर्ज है या नहीं, इन जानकारियों के आधार पर आगे की प्रक्रिया संचालित होती है।

किसानों की बढ़ सकती है परेशानी

धान खरीदी का सीधा संबंध किसानों की उपज और उनकी आर्थिक जरूरतों से है। ऐसे में खरीदी से पहले प्रशासनिक स्तर पर किसी भी तरह की देरी किसानों की चिंता बढ़ा सकती है। विशेष रूप से उन किसानों को परेशानी हो सकती है, जिनके भूमि रिकॉर्ड, फसल के रकबे या पंजीयन से संबंधित काम अभी पूरे नहीं हुए हैं। पटवारियों की हड़ताल के बीच प्रशासन के सामने राजस्व संबंधी कार्यों को सुचारू बनाए रखने और धान खरीदी की तैयारियों को समय पर पूरा करने की चुनौती होगी। वहीं हड़ताल के कारणों, पटवारी संघ की प्रमुख मांगों और सरकार के साथ बातचीत की स्थिति पर भी आगे की प्रक्रिया निर्भर करेगी।

कचना, पुरैना, डूमरतराई में प्रधानमंत्री आवास के लिए महापौर ने निकाली लॉटरी



रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत एएचपी 2.0 की तीन परियोजनाओं में आवास आवंटन के लिए पात्र हितग्राहियों के क्रम निर्धारण की कार्रवाई सोमवार को शुरू हुई। महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभागार में महापौर मीनल चौबे ने लॉटरी की पर्ची निकालकर इस कार्रवाई की शुरुआत की। उन्होंने सभागार में मौजूद सभी पात्र हितग्राहियों को आश्वस्त किया कि आवास आवंटन में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जाएगी। महापौर ने कचना में आवास के लिए आवेदन करने वाली 2 पात्र महिला हितग्राहियों की लॉटरी पर्ची निकाली और उन्हें मंच पर बुलाकर बुके प्रदान कर बधाई दी। रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक 2.0 में कचना में 432, पुरैना में 84 और डूमरतराई में 96 मकानों के लिए हितग्राहियों के क्रम निर्धारण की कार्रवाई की गई। इस मौके पर गांधी सदन के सभागार में बड़ी संख्या में संबंधित क्षेत्र के पात्र हितग्राही मौजूद रहे। हितग्राहियों के क्रम निर्धारण की इस प्रक्रिया के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त रवि राही, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर सहित संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति रही।

अब निर्माण मलबे के लिए बनाए जाएंगे अलग संग्रहण केंद्र, हर पांच किलोमीटर पर एक बनेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निर्माण और तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे को सड़कों, खाली भूखंडों, नालों और जलस्रोतों में फेंकने से रोकने के लिए अब अलग संग्रहण केंद्र बनाए जाएंगे। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, हर पांच वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में लगभग 25 हजार की आबादी के लिए एक केंद्र बनाने की सिफारिश की गई है। राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने इस एसओपी को छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा है।

इन केंद्रों में निर्माण मलबे का व्यवस्थित संग्रहण, छंटाई और अस्थायी भंडारण किया जाएगा। इसके बाद मलबे को अधिकृत प्रसंस्करण या पुनर्चक्रण केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। एसओपी का उद्देश्य मलबे के अनधिकृत निपटान पर रोक लगाने के साथ उसके संग्रहण से लेकर अंतिम प्रसंस्करण तक की निगरानी सुनिश्चित करना है।



मलबे का वजन और रसीद जरूरी

प्रत्येक केंद्र में प्रवेश के समय मलबे की मात्रा तौलने या मापने की व्यवस्था होगी। मलबा जमा कराने वाले को रसीद दी जाएगी और प्रतिदिन आने वाले मलबे, बाहर भेजी गई मात्रा तथा शेष भंडार का रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर भी दर्ज करनी होगी। केंद्र को संचालन शुरू करने से पहले केंद्रीय ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकृत कराना अनिवार्य होगा।

करीब 200 वर्गमीटर में बनेगा केंद्र

एसओपी में पांच वर्ग किलोमीटर क्षेत्र और 25 हजार आबादी के लिए लगभग 200 वर्गमीटर का आधार क्षेत्र रखने की सिफारिश की गई है। इसी क्षेत्र में आबादी प्रत्येक 25 हजार बढ़ने पर केंद्र का क्षेत्रफल 100 वर्गमीटर बढ़ाने की सिफारिश है। केंद्रों की संख्या और आकार तय करते समय संबंधित नगरीय निकाय के क्षेत्रफल तथा निर्माण मलबे की मात्रा को भी ध्यान में रखना होगा। केंद्रों के लिए ऐसी जगह चुननी होगी, जहां लोगों और वाहनों की पहुंच आसान हो तथा सड़क और जल निकासी की उचित व्यवस्था हो। स्कूलों, अस्पतालों, जलस्रोतों, बाढ़ संभावित क्षेत्रों और घनी आवासीय बस्तियों से दूर स्थानों को प्राथमिकता दी जाएगी। यातायात बाधित करने वाली जगहों से भी बचना होगा।

घरेलू और खतरनाक कचरा प्रतिबंधित

संग्रहण केंद्रों में घरेलू कचरा, जैव चिकित्सा अपशिष्ट, ई-कचरा, बैटरियां, खतरनाक रसायन, तेल से दूषित सामग्री और एस्बेस्टस युक्त कचरा जमा करने की अनुमति नहीं होगी। ऐसी सामग्री मिलने पर उसे अलग कर संबंधित प्राधिकरण या उपयुक्त कचरा प्रबंधन व्यवस्था तक पहुंचाने की प्रक्रिया अपनानी होगी। कम मात्रा में मलबा पैदा करने वाले लोग उसे निर्धारित केंद्र तक पहुंचा सकेंगे या नगरीय निकाय की स्वीकृत एजेंसी की सहायता ले सकेंगे। बड़े निर्माणकर्ता और परियोजना संचालक सामान्यतः मलबा सीधे पंजीकृत प्रसंस्करण केंद्र या मध्यवर्ती भंडारण सुविधा तक भेजेंगे। परिवहन के दौरान वाहन ढके होने चाहिए, ताकि मलबा रास्ते में न गिरे और धूल न फैले।

■ हृदय के गंभीर रोग से पीड़ित थी, प्रति मिनट केवल 40 बार धड़क रहा था दिल

प्रसव के बाद महिला के दिल की धड़कन असामान्य निशुल्क आईसीडी पेसमेकर लगाकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हृदय के गंभीर रोग से जूझ रही महिला की धड़कन प्रसव के बाद असामान्य हो गई। हृदय की धड़कन प्रति मिनट 40 और पंपिंग क्षमता घटकर महज 25 फीसदी होने के कारण उसे आईसीडी पेसमेकर लगाकर नया जीवन दिया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर महिला का उपचार पूरी तरह निशुल्क किया गया है।

महिला के इलाज की पूरी प्रक्रिया आंबेडकर अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में एचओडी डा. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में पूर्ण की गई। डा. श्रीवास्तव ने बताया कि महिला पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी, कंप्लीट हार्ट ब्लॉक और वेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया जैसी गंभीर हृदय संबंधी जटिलताओं से पीड़ित थीं। उसकी स्थिति इतनी गंभीर थी, जिसे देखते हुए पहले आपातकालीन स्थिति में टेम्परेरी पेसमेकर लगाया गया। इसके बाद स्थिति स्थिर होने पर इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफिब्रिलेटर (आईसीडी) पेसमेकर निशुल्क प्रत्यारोपित किया गया। महिला की आर्थिक और पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में जानकारी होने पर संवेदनशीलता दिखाते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने निशुल्क उपचार की व्यवस्था कराई। चिकित्सकों ने बताया कि महिला की डिलीवरी कोरबा में सिजेरियन ऑपरेशन से हुई थी। प्रसव के बाद उसे सांस फूलने की शिकायत होने लगी और हृदय की धड़कन असामान्य रूप से कम हो गई। जांच में उसके हृदय में कंप्लीट हार्ट ब्लॉक पाया गया। साथ ही प्रसव के बाद होने वाली गंभीर हृदय संबंधी बीमारी पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी के कारण हृदय की मांसपेशियों की कार्यक्षमता प्रभावित हो गई थी। गंभीर हालत में आंबेडकर अस्पताल पहुंचने पर कार्डियोलॉजी विभाग की टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। पेसमेकर प्रत्यारोपित करने के साथ ही अनियंत्रित और जानलेवा हृदय गति को नियंत्रित करने के लिए मरीज को इलेक्ट्रिक शॉक दिया गया।

अलग खबर

क्या है पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी : डॉ. स्मित श्रीवास्तव के अनुसार पोस्टपार्टम कार्डियोमायोपैथी गर्भावस्था के अंतिम चरण या प्रसव के आसपास विकसित होने वाली हृदय की एक गंभीर बीमारी है। इसमें हृदय की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और शरीर में रक्त पंप करने की उसकी क्षमता कम हो जाती है। इसके कारण सांस फूलना, अत्यधिक थकान, पैरों में सूजन और हृदय गति में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह स्थिति गर्भावस्था के अंतिम महीने से लेकर प्रसव के बाद के महीनों में सामने आ सकती है। समय पर पहचान और उपचार नहीं मिलने पर यह गंभीर हृदय विफलता का कारण बन सकती है।



निजी अस्पताल में खर्च साढ़े 3 लाख : इस आपातकालीन उपचार के लिए निजी अस्पताल का खर्च लगभग साढ़े 3 लाख रुपए होते। महिला के परिवार की स्थिति ऐसी नहीं थी, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने संवेदनशीलता दिखाई। वर्तमान में मरीज की स्थिति ठीक है और वह चिकित्सकों की निगरानी में है। स्वास्थ्य में सुधार जारी रहने पर उसे जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दिए जाने की संभावना है। इस प्रकरण में मेडिकल कालेज की डीन डा. विवेक चौधरी और अस्पताल अधीक्षक संतोष सोनकर ने विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए थे।



हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937



हर सुबह मलासन में बैठकर पिएं...

सिटी इवेंट

गार्डन में पौधे लगाने, कलम पद्धति का विशेषज्ञों ने साझा किया अनुभव



रायपुर। बैक टू नेचर सोसायटी द्वारा पौधों की कलम को किस तरह से आदान-प्रदान किया जा सकता है, इसे बताने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें शहर के गार्डन एवं प्रकृति प्रेमियों को कलम पद्धति से गृह वाटिका और गार्डन विकसित करने की विशेषज्ञों ने तकनीक साझा की। बैक टू नेचर सोसायटी के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी ने प्रकृति प्रेमियों से आग्रह किया कि अपनी गृह वाटिका व गार्डन की अच्छी तैयारी करें। गार्डन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या या सवाल होने पर सोसायटी को साझा करें, ताकि विशेषज्ञों द्वारा उचित मार्गदर्शन एवं समाधान दिया जा सके। गार्डन विशेषज्ञ चेतन बंछोर ने एडेनियम पौधे की देखभाल के बारे में जानकारी दी। आगे बताया कि एडेनियम अपने सुंदर फूलों और मोटे तने के कारण सजावटी पौधे के रूप में लोकप्रिय है। इसके मोटे तने को कॉडेक्स कहा जाता है, जिसमें यह पानी जमा करके रखता है। इसके फूल गुलाबी, लाल, सफेद सहित कई रंगों में खिलते हैं।

कार्यशाला में शामिल हुए प्रकृति प्रेमी

उन्होंने बताया कि एडेनियम को अच्छी धूप की जरूरत होती है। मिट्टी पूरी तरह सूखने के बाद ही पानी देना चाहिए, क्योंकि लगातार गीली मिट्टी रहने से जड़ें सड़ सकती हैं। पौधे के लिए ऐसी मिट्टी और गमले का उपयोग करना चाहिए, जिससे पानी आसानी से निकल सके। समय-समय पर शाखाओं की कटाई-छंटाई करने से पौधा घना और आकर्षक बनता है। अधिक बारिश और पानी भराव से पौधे को बचाना जरूरी है। उचित देखभाल से एडेनियम कई वर्षों तक सुंदर फूल दे सकता है। कार्यशाला में अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर आरके जैन ने आभार व्यक्त किया तथा राम खटवानी ने मंच संचालन किया। आयोजन में शिल्पी नागपुरे, सर्वत्र सेठी, ममता मिश्रा, सुधा केसरवानी, अभिलाषा पंडा एवं एलके महावर सहित प्रकृति प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

सोना महंगा होने से हीरे की ज्वेलरी बाजार में बढ़ीं संभावनाएं



रायपुर। प्रतिष्ठित हरिकृष्णा ग्रुप ने छत्तीसगढ़ में ज्वेलरी कारोबार का विस्तार करते हुए अपना सातवां और देश का 175वां आउटलेट शुरू किया। पंडरी में कृष्णा डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के नए शोरूम का शुभारंभ ग्रुप के संस्थापक और हीरा कारोबारी घनश्याम ढोलकिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कारोबार में सफलता, ग्राहकों का भरोसा जीतने, कर्मचारियों के साथ बेहतर संबंध बनाने और सोने-हीरे के बाजार की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। श्री ढोलकिया ने कहा कि कारोबार में सफलता के लिए केवल अच्छा उत्पाद होना पर्याप्त नहीं है, ग्राहकों का विश्वास जीतना भी जरूरी है। मेहनत, ईमानदारी और भरोसा किसी भी व्यवसाय की मजबूत नींव होते हैं। उन्होंने कर्मचारियों को परिवार का हिस्सा मानने की सोच पर जोर देते हुए कहा कि टीम के साथ बेहतर संबंध कंपनी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने पिता से मिली सीख को दिया।

ज्वेलरी केवल शौक या सजावट का साधन नहीं

घनश्याम ढोलकिया ने बताया कि भारतीय परिवारों में ज्वेलरी केवल शौक या सजावट का साधन नहीं, बल्कि बचत और परंपरा से भी जुड़ा है। सोने की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के बीच हीरे की ज्वेलरी के बाजार में भी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का भरोसा बनाए रखने के लिए खरीदारी के बाद मिलने वाली वैल्यू और पारदर्शी कारोबारी व्यवस्था जरूरी है। उन्होंने भारतीय ज्वेलरी ब्रांडों के लिए ग्राहकों के बीच विश्वास मजबूत करने और बाजार में अपनी पहचान बढ़ाने के अवसरों पर भी बात की। उनके अनुसार, कारोबार को लंबे समय तक आगे बढ़ाने के लिए ग्राहकों की जरूरतों को समझना और उन्हें बेहतर अनुभव देना जरूरी है।

बाबा गेलाराम साहेब के वरसी महोत्सव की तैयारी

रायपुर। देवपुरी स्थित पूज्य गोदड़ीवाला धाम में सतगुरु संत बाबा गेलाराम साहेब का 18वां वरसी महोत्सव 8,9 और 10,दिसंबर को संत बाबा हरदास राम साहेब के आशीर्वाद से देवपुरी धाम की महंत अम्मा मीरा देवी एवं जलगांव धाम के महंत साई देवीदास जी के सानिध्य मे श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसकी तैयारियो को लेकर कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। इसमें भी भारतवर्ष से अनेक संत, महात्माओ, भजन मंडलियो, बाबा के भक्तो का जलगांव साहब से बाबाल प्यारो जलगांव वारो और नारीशक्ति पर विशेष कार्यक्रम किया जाएगा। उनके निवास की व्यवस्था, भंडारा साहेब की व्यवस्था, पंडाल व्यवस्था, स्टेज व्यवस्था, परिवहन की व्यवस्था, मेडिकल व्यवस्था, विभिन्न प्रकार की 30 सेवाओं से श्रद्धालुओं को जोड़ने को लेकर चर्चा की गई। इसके बाद सभी को नई जिम्मेदारी दी गई।

गोलबाजार, मालवीय रोड, सदर बाजार और पंडरी मार्केट में खरीदी करने उमड़ रही भीड़

दीपावली बाजार में लोकल फॉर वोकल की धूम, सतरंगी लड़ियों, रंगोली मेकर्स और 'ग्रीन पटाखों' की बढ़ी डिमांड

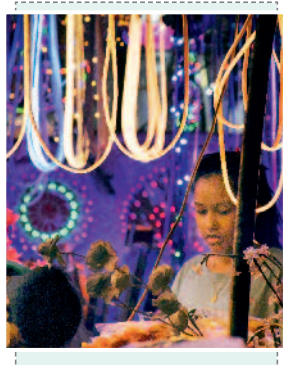

बाजारों में दीपावली पर्व की तैयारी और जरूरी साजो-सामान की पूछ-परख तेज होने से रौनक बढ़ी है। त्योहार के लिए शहर के प्रमुख बाजार सज चुके हैं। गोलबाजार, मालवीय रोड, सदर बाजार और पंडरी कपड़ा मार्केट सहित विभिन्न इलाकों में खरीदी करने वालों की भारी भीड़ उमड़ने लगी है। इस साल बाजार में रंग-बिरंगी इलेक्ट्रॉनिक्स लाइट्स, आधुनिक रंगोली मेकर्स और पर्यावरण अनुकूल 'ग्रीन पटाखों' की भारी डिमांड है। दीपावली का त्योहार नवंबर के पहले सप्ताह में है। ऐसे में 10 दिन पहले ही सभी सेक्टर्स के बाजार सज गए है।

रायपुर। बाजार सजते ही लोगों में दीपावली की खरीदी करने को लेकर उत्साह है। दीपावली रोशनी का त्योहार होने और धन की देवी की पूजा की परंपरा के चलते लोग त्योहार से पहले घरों की सजावट और रंग-रोगन का कार्य पहले पूरा करते हैं। यही वजह है कि रंगाई-पोताई के बाद अब लोग अपने घरों को रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाने मिट्टी के दीए के साथ सजावटी इलेक्ट्रॉनिक्स लाइट्स की खरीदी करने इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर पहुंच रहे हैं। इसके अलावा त्योहारों में घर के द्वार को थीम बेस्ड रंगोली से सजाने के लिए जरूरी साजो - सामान जुटाना शुरू किया है, इसके चलते बाजार में अब रौनक भी बढने लगी है। सजावटी समानों के बाद त्योहार में पटाखें जला कर उत्सव मनाने का रिवाज है। इसके लिए पटाखा बाजार भी सज गया हैं। जहां बड़े व छोटे बच्चों के लिए एक से बढ़कर एक पटाखे सजाए गए हैं। ग्राहकों की भीड़ देखकर थोक और चिल्हर व्यापारियों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार की दीवाली में रिकार्ड तोड़ बिजनेस हो सकता है। इस सकारात्मक और डिजिटल बदलाव से बाजारों में रौनक दोगुनी हो गई है।



पानी से जलने वाले सेंसर दीये, क्रिस्टल लटकन

इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में इस बार भारतीय और आकर्षक डिजाइनर लाइट्स का दबदबा है। स्मार्ट एलइडी लाइट्स में इस साल ब्लूटूथ और रिमोट से चलने वाली पिक्सेल एलइडी लाइट्स युवाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। वहीं डिजाइनर दीये की बात करें, तो बाजार में पानी से जलने वाले सेंसर दीये, क्रिस्टल लटकन लाइट्स और रंग-बिरंगे घूमते हुए एलईडी बल्ब 50 से लेकर 1000 की रेंज में सजाया गया हैं। लोकल फॉर वोकल दुकानदारों का मत है कि ग्राहक इस बार विदेशी सामानों की जगह टिकाऊ और भारतीय मेक इन इंडिया लाइट्स को ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं।

रेडीमेड रंगोली मेकर्स और स्टेंसिल का भी क्रेज



समय की बचत और खूबसूरती को देखते हुए इस साल महिलाओं और युवाओं में रंगोली मेकर्स का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। रंगोली स्टेंसिल्स की बात करें तो प्लास्टिक और लकड़ी से बने एक से बढ़कर एक स्टेंसिल बाजार में उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से मात्र कुछ सेकेंडों में परफेक्ट रंगोली बनाई जा सकती है। रंगोली रोलर्स और पेन की खूब मांग है। इनमें रंग भरकर जमीन पर सिर्फ घुमाना होता है, जिससे बारीक बॉर्डर और सुंदर डिजाइन खुद-ब-खुद छप जाते हैं। फ्लोटिंग दीये और एक्रेलिक रंगोली भी बाजार में पहले से सजी-सजाई एक्रेलिक रंगोली मिल रही है। जिसे सीधे मुख्य द्वार पर सजाया जा सकता है।

'ग्रीन क्रैकर्स' से गुलजार हुआ पटाखा बाजार

इस बार बाजारों में प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। डूमरतराई और वीआईपी रोड स्थित पटाखा मार्केट में केवल प्रमाणित 'ग्रीन क्रैकर्स' ही बेचे जा रहे हैं। यह पटाखे पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत कम नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। असली ग्रीन पटाखों की पहचान के लिए पैकेट पर सीएसआईआर -एनईईआरआई का विशेष लोगो और क्यूआर कोड है। इसे ग्राहक स्कैन करके असली-नकली की जांच कर रहे हैं। बच्चों के लिए इस बार बिना धुएं वाली फुलझड़ी, पॉप-पॉप और रंग-बिरंगी मैजिक पेंसिल खूब आकर्षित कर रही हैं।

युवाओं को राष्ट्र निर्माण, स्वदेशी विचारधारा उद्यमिता रणनीति निर्माण से जोड़ने की पहल



रायपुर। यंग जनरेशन भारत ने रायपुर और धमतरी चैप्टर का शुभारंभ किया। संस्था द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण, स्वदेशी विचारधारा, उद्यमिता एवं रणनीति निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से यह पहल की। चैप्टर के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक विचारों, रचनात्मक संवाद और राष्ट्रहित में सक्रिय भागीदारी के लिए एक संगठित मंच प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। डिजिटल एवं वैश्विक दौर में युवाओं तक पहुंचने वाली भ्रामक सूचनाओं, भ्रमित करने वाले विचारों और सांस्कृतिक चुनौतियों के बीच तथ्यपरक सोच, संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रीय जिम्मेदारी और भारतीय स्वाभिमान के प्रति जागरूक करने यह प्रयास तेज किया है। यंग जनरेशन भारत का उद्देश्य युवाओं को जागरूक, विवेकशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनाते हुए नेशन फर्स्ट अर्थात राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

स्वदेशी फर्स्ट की भावना से जोड़ने पर जोर

भारतीय उत्पादों, स्वदेशी उद्यमों, पारंपरिक कौशल, सॉल्यूशन ,नवाचार एवं देश में निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे है। स्वदेशी फर्स्ट की भावना के माध्यम से युवाओं को भारतीय उत्पादों के गौरव को बढ़ाने के लिए कर रही है। इस पहल में योगेश साहू ने प्रमुख भूमिका निभाते हुए युवा संवाद, रणनीतिक नीति-निर्माण, युवा सशक्तिकरण एवं सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उनका दृष्टिकोण युवाओं को केवल विचारों तक सीमित रखने की बजाय उन्हें नेतृत्व, नवाचार और जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर प्रदान करना है।

अभियांत्रिकी के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान करने किया प्रेरित



रायपुर। एनआईटी में यूथ कॉन्क्लेव सह राष्ट्रीय सम्मेलन मीट- 2026 का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन में भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी के सहयोग से मल्टीडिसिप्लिनरी इंजीनियरिंग एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी विषय पर दो दिवसीय यूथ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को इस सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। सम्मेलन 'यूथ इंजीनियरिंग फॉर इंडियाज सस्टेनेबल सेल्फ-रिलायंस' यानी 'भारत की सतत आत्मनिर्भरता के लिए युवा अभियंत्रण' विषय पर आधारित है। इसमें वित्त मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने लोक प्रशासन एवं वित्त के क्षेत्र में अनुभव साझा करते हुए दैनिक जीवन और वैश्विक अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी पर बढ़ती निर्भरता को रेखांकित किया। सिविल सेवा से वित्त के क्षेत्र तक की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए युवा प्रतिभाओं को कठिन परिश्रम करने, चुनौतियों का सामना करने और उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने की सलाह दी।

दिवाली को यादगार बनाने युवाओं और महिलाओं के ग्रुप ने तय किया लक्ष्य, तैयारी शुरू

स्लम बस्ती के रहवासियों और बच्चों की दिवाली खास बनाने सरोकार से जुड़ी संस्थाएं देंगी उपहार

कार्नर न्यूज

स्लम बस्ती में रहने वाले लोगों और बच्चों की दिवाली को खास बनाने के लिए सरोकार से जुड़ी संस्थाएं भी सहयोग के लिए हाथ आगे बढ़ाने वाली हैं। आर्थिक तंगी गरीब माता-पिता की बेबसी न बनने पाए, लोग परिवार के साथ दीपों का पर्व उत्साह से मना सकें। इसमें युवाओं और महिलाओं के ग्रुप भी सहभागिता निभाने वाले हैं। इसके लिए संस्थाओं ने लक्ष्य भी तय किया है। कपड़े, गिफ्ट और फटाकों की पेकिंग भी करने लगे हैं। आपसी सहयोग से गरीबों की दीवाली को यादगार बनाने की तैयारी भी शुरू की है।



रायपुर। शहर में आर्ना फाउंडेशन से जुड़ी महिलाएं 2018 से हर दिवाली में अलग-अलग क्षेत्र की बस्तियों सहित सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच दिवाली का उपहार लेकर पहुंचती है। फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ.रूना शर्मा ने बताया कि संस्था से जुड़ी महिलाएं आपसी तालमेल से स्लम बस्ती में रहने वाले परिवारों की दीपावली को खास बनाने के लिए प्रयास करती हैं। इस दीपावली में 130 से 150 परिवारों तक गिफ्ट और जरूरी सामग्री पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने बताया कि संस्था ने अर्पण दिव्यांग स्कूल और आरंग के सरकारी स्कूल में उपहार सामग्री पहुंचाने का निर्णय लिया है। इसमें स्टेशनरी, कपड़े और फटाकों को भी शामिल करेंगे। इसके लिए सोनम सिंग, डॉ. विपुल, पूजा गुरदीप, ज्योति और सुनीता के मार्गदर्शन में उपहार पेकिंग सहित वितरण के लिए जिम्मेदारी तय की गई है।

महिलाओं, पुरूषों और बच्चों की दीवाली सजाने पहल

सेवा और सरोकार से जुड़ी बुनियाद बेटियां अनमोल फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ. निम्मी चौबे और उनकी टीम द्वारा 2019 से स्लम बस्ती में रहने वाले परिवारों को खुशनुमा माहौल में पर्व मनाने में सहयोग और सहभागिता निभाने पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि समूह प्रतिवर्षों की तरह इस दीवाली पर भी मठपुरैना क्षेत्र में करीब 80 परिवारों तक बच्चों के कपड़े, शैक्षणिक सामग्री के साथ ही फटाखे वितरित करने वाली है, ताकि उनके माता-पिता की आर्थिक कमजोरी परिवार की खुशियों में किसी प्रकार से अडचन न बनने पाए।

खुशियों वाली दिवाली थीम बेस्ड होगी जरूरी सामग्री

कुछ फर्ज हमारा भी संस्था के प्रमुख नितिन सिंह राजपूत ने बताया कि विगत नौ वर्षों से गरीब वर्ग के परिवारों को खुशियों वाली दिवाली थीम से उनकी खुशियों को जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इस बार 400 परिवारों तक उपहार सामग्री पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।प्रति परिवार को 850 से एक हजार तक का गिफ्ट देते हैं। इसमें साड़ी, पैंट-शर्ट, मिठाई, फटाखे शामिल किए जाते हैं।

माता-पिता खो चुके बच्चों की खुशियों को प्राथमिकता

संस्था अवाम-ए-हिंद सोशल वेलफेयर कमेटी के संस्थापक मो. सज्जाद खान ने बताया कि विगत 10 वर्षों से दिवाली से पहले रामनगर ,कलिंग नगर जैसी बस्तियों में हर साल करीब 200 परिवारों को कपड़े, मिठाई और पटाखे देते हैं। इसके साथ ही कोविड में जिन बच्चों के माता-पिता नहीं रहे, ऐसे बच्चों की खुशियों को प्राथमिकता में रखते हैं। उनके पास हर साल दीवाली पर्व से पहले उपहार सामग्री को पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

THE SCREW DRIVER

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

Scan QR For Download The App

इस दिवाली
AAPKE GHAR
की हर छोटी-बड़ी रिपेयर
अब आपके दरवाज़े पर!

*Offer Is Valid Till Diwali Only

सगुन के सिर्फ़
₹11
रूपए में
ऐप से बुक करें
कोई भी सर्विस!

OUR SERVICES

Electrician
Wiring Repairs Switches

Plumber
Leakage Fittings Drainage

AC Repair
Cooling Servicing Gas Refill

Carpenter
Furniture Repair Fittings

Cleaning
Home Deep Sofa

Home Appliances
Repair Installation Servicing

कूपन कोड:
SHAGUN11

Trusted Professionals | On-Time Service | Transparent Pricing | 24/7 Support

BOOK YOUR SERVICE TODAY

जीवन

हर सुबह मलासन में बैठकर पिएं पानी, मिलेंगे ये अद्भुत लाभ



स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और इसे बनाए रखने के लिए प्राचीन भारतीय परंपराओं व योगशास्त्र में कई सहज नियम बताए गए हैं। योग हमारे शरीर और मन को निरोगी रखता है, वहीं पानी शरीर की समस्त आंतरिक प्रणालियों को शुद्ध और विषरहित बनाए रखता है। जब हम इन दोनों प्राकृतिक नियमों का एक साथ समावेश करते हैं, तो सेहत को अकल्पनीय लाभ मिलते हैं। सुबह उठकर मलासन यानी उकड़ू बैठकर पानी पीने की साधारण सी दिखने वाली यह आदत हमारे पाचन तंत्र से लेकर त्वचा की रंगत तक में चमत्कारी बदलाव ला सकती है।

मलासन में पानी पीने के स्वास्थ्य लाभ और सही तरीका : प्रसिद्ध योगा शिक्षिका दिलराज कौर बताती हैं कि सुबह खाली पेट मलासन की स्थिति में बैठकर पानी पीने से शरीर की कार्यप्रणाली बेहद सुचारू हो जाती है। मलासन मुख्य रूप से हमारे हिप्स, पेल्विक रीजन और पेट के निचले हिस्से के अंगों पर काम करता है। इस उकड़ू स्थिति में बैठकर पानी पीने से पेट और आंतों पर एक प्राकृतिक दबाव बनता है, जिससे बाउल मूवमेंट में तेजी आती है और सुबह बिना किसी परेशानी के पेट आसानी से साफ हो जाता है। इसके नियमित अभ्यास से पुरानी से पुरानी कब्ज, गैस, एसिडिटी और यूरिनरी ट्रैक्ट में होने वाली जलन से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाती है।

इसके अलावा, यह आदत शरीर से रातभर में जमा हुए सभी हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर बॉडी को पूरी तरह डिटॉक्स करती है, जिससे चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो आता है और सिरदर्द या माइग्रेन की शिकायत दूर होती है। पर्याप्त हाइड्रेशन मिलने से हमारी मांसपेशियों को ताकत मिलती है, ऐंठन दूर होती है और शरीर का लचीलापन काफी बढ़ जाता है। हालांकि, इस क्रिया को करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि एक बार में बहुत अधिक पानी गटकने के बजाय छोटे-छोटे घूंट लेकर ही पानी पिएं, ताकि शरीर का संतुलन बना रहे और पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

फेंगशुई के आसान उपाय बदल देंगे आपके जीवन की ऊर्जा



प्राचीन चीनी वास्तु शास्त्र 'फेंगशुई' का हमारे जीवन और आसपास के वातावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। फेंगशुई मुख्य रूप से ऊर्जा (ची) के संतुलन पर आधारित है। यदि घर की ऊर्जा सकारात्मक हो, तो वहां रहने वाले सदस्यों के मन में हमेशा प्रसन्नता, शांति और उत्साह बना रहता है। आधुनिक दौर में लोग अपने घरों में सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाने के लिए फेंगशुई के सिद्धांतों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं, ताकि घर का माहौल हमेशा खुशहाल और तनावमुक्त रहे।घर में प्रसन्नता और सकारात्मक माहौल बनाए रखने के लिए फेंगशुई में कुछ बेहद सरल और प्रभावी उपाय बताए गए हैं। सबसे पहले, घर को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना चाहिए। अव्यवस्था या पुराना कबाड़ नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है, इसलिए घर के मुख्य द्वार और कमरों को साफ रखना जरूरी है। इसके अलावा, घर की उत्तर या पूर्व दिशा में ताजे हरे पौधे, जैसे कि 'लकी बांस' (Lucky Bamboo) या मनी प्लांट रखना फेंगशुई के अनुसार बेहद शुभ माना जाता है, जो घर में धन और खुशियों का स्वागत करता है। प्रसन्नता के माहौल के लिए घर में प्राकृतिक रोशनी और ताजी हवा का आना बहुत जरूरी है। फेंगशुई के अनुसार, कमरों में घुटन या अंधेरा नकारात्मकता बढ़ा सकता है। घर के मुख्य द्वार पर या लिविंग रूम में सुंदर विंड चाइम्स लगाने से निकलने वाली मधुर ध्वनि आसपास की नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाती है।

बदलती जीवनशैली बिगाड़ रही सेहत को, जरूरत सचेत रहने की

वात, पित्त और कफ का संतुलन बिगड़ने से बढ़ता है बीमारियों का खतरा, स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं उपाय

खराब दिनचर्या, असंतुलित खानपान, शारीरिक निष्क्रियता और नींद की कमी से लाइफस्टाइल में गड़बड़ी से संबंधित बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। आयुर्वेद संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग, प्राणायाम और ध्यान पर जोर देता है। लोगों की लाइफस्टाइल जिस तरह गड़बड़ होती जा रही है, इसने कई तरह की बीमारियों के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। लगभग हर उम्र के लोगों में इसका खतरा हो सकता है। हम किस तरह का जीवन जीते हैं, क्या खाते हैं, कब सोते हैं, दिनचर्या की इन सभी आदतों का सेहत पर सीधा असर होता है। डॉक्टर बताते हैं जिन लोगों की दिनचर्या गड़बड़ होती है उनमें कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। डायबिटीज से लेकर हृदय रोग, मेटाबॉलिज्म की समस्या हो या फिर मोटापा, ये सभी लाइफस्टाइल में गड़बड़ी से संबंधित मानी जाती हैं।

आयुर्वेद कहता है कि सभी लोगों को शरीर के दोषों (वात, पित्त और कफ) में असंतुलन से बचाव के लिए लगातार प्रयास



करते रहना चाहिए। अगर इस दिशा में प्रयास किए जाएं तो तेजी से बढ़ती कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए इस बारे में जानते हैं।

लाइफस्टाइल की गड़बड़ी से होने वाली बीमारियां

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल की गड़बड़ी जैसे शारीरिक गतिविधि की कमी, अस्वास्थ्यकर भोजन, शराब-मादक द्रव्यों के सेवन के कारण हृदय रोग, स्ट्रोक, मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज और फेफड़ों का कैंसर तक का खतरा हो सकता है। इनमें से कई बीमारियों को जानलेवा भी माना जाता है। कम उम्र से ही सभी लोगों को लाइफस्टाइल को ठीक रखने का प्रयास करना चाहिए। ये वैश्विक स्तर पर बढ़ते इन रोगों के खतरे को कम करने के लिए बहुत आवश्यक है।

संतुलित आहार से सभी दोष रहते हैं संतुलित

आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार, संतुलित आहार का मतलब केवल हमारे द्वारा खाए जाने वाले विशिष्ट खाद्य पदार्थों से ही नहीं है, बल्कि उन खाद्य पदार्थों के स्वाद, गुणों और संयोजनों के बारे में भी जानना जरूरी है। आयुर्वेद छह स्वादों को पहचानता है- मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा और कसैला। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपमें सभी दोष (वात, पित्त और कफ) संतुलित रहें हैं, संतुलित आहार में सभी छह स्वादों को उचित अनुपात में शामिल किया जाना चाहिए। ताजा, मौसमी फलों और सब्जियों का सेवन बहुत जरूरी है।

दिनचर्या को रखें ठीक

दैनिक दिनचर्या का ठीक रहना समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सबसे आवश्यक अंग है। सुबह जल्दी उठने से लेकर, तेल से मालिश करने, स्नान और योग जैसी गतिविधियों से शरीर को आराम मिलता है। मन को शांत करने के लिए संतुलित नाश्ता, नियमित व्यायाम और ध्यान करें। हर रात 7-8 घंटे की आरामदायक नींद का लक्ष्य बनाना शरीर के लिए बहुत आवश्यक है।

योग और ध्यान जरूरी

योग और प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम) आपके शरीर, मन और आत्मा में सामंजस्य स्थापित करने में मदद करते हैं। यह पूरे शरीर में ऊर्जा के कुशल प्रवाह को बढ़ावा देते हुए लचीलेपन, ताकत और संतुलन में सुधार करता है।





ब्रेन को तेज रखने के लिए महंगे सप्लीमेंट नहीं, इस आदत में सुधार आ सकती है काम

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। देर रात तक मोबाइल चलाना, सोशल मीडिया पर रील्स देखना, ऑनलाइन गेम खेलना और काम का बढ़ता दबाव लोगों की नींद को प्रभावित कर रहा है। इसका असर केवल दिनभर की थकान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि एकाग्रता, याददाश्त और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। पर्याप्त नींद न मिलने से बच्चों की पढ़ाई और युवाओं की काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

नींद के दौरान मस्तिष्क दिनभर सीखी गई जानकारी को व्यवस्थित करता है और याददाश्त को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसलिए अच्छी नींद को स्वस्थ मस्तिष्क के लिए भी जरूरी माना जाता है। वयस्कों को आमतौर पर हर रात 7 से 9 घंटे की नींद लेने की सलाह दी जाती है।

याददाश्त और एकाग्रता दोनों पर असर : जब नींद पूरी नहीं होती, तो मस्तिष्क की जानकारी सीखने, उसे याद रखने और जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल करने की क्षमता



प्रभावित हो सकती है। ऐसे में पढ़ाई या ऑफिस के काम में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है। लोग छोटी-छोटी बातें भूलने लगते हैं और फैसले लेने में भी परेशानी महसूस कर सकते हैं। लंबे समय तक नींद की कमी रहने पर रोजमर्रा के कामकाज पर भी इसका असर हो सकता है।

स्ट्रेस बढ़ने का खतरा : नींद में गड़बड़ी मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकती है। पर्याप्त नींद न मिलने पर चिड़चिड़ापन, बेचैनी और तनाव बढ़ने का खतरा होता सकता है। वहीं लगातार नींद पूरी न होने से पहले से ही स्ट्रेस-एंग्जायटी के शिकार लोगों में डिप्रेशन की भी दिक्कत हो सकती है। नींद की कमी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं कई कारकों से प्रभावित होती हैं।

निर्णय लेने की क्षमता हो सकती है प्रभावित : नींद की कमी का असर मस्तिष्क के उन हिस्सों पर भी पड़ता है, जो सोचने-समझने, योजना बनाने और सही निर्णय लेने में मदद करते हैं। पर्याप्त नींद न लेने वाले लोगों को प्रतिक्रिया देने में अधिक समय लग सकता है और वे गलतियां भी ज्यादा कर सकते हैं। लगातार थकान रहने से काम करने की क्षमता और दिनभर की उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।

बच्चों के मस्तिष्क के विकास पर असर

बच्चों और किशोरों के लिए पर्याप्त नींद लेना बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र में मस्तिष्क का विकास जारी रहता है। नींद सीखने, याददाश्त और भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करती है। नींद पूरी न होने पर बच्चों को पढ़ाई में ध्यान लगाने, निर्देश समझने और अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखने में परेशानी हो सकती है। इसलिए बच्चों के सोने और जागने का समय नियमित रखना जरूरी है।

नींद की गुणवत्ता सुधारने के लिए क्या करें?
रोजाना सोने और जागने का समय तय रखें। सोने से कम से कम 30-60 मिनट पहले मोबाइल और दूसरी स्क्रीन से दूरी बनाएं। शाम के समय चाय, कॉफी और दूसरे कैफीन युक्त पेय पदार्थों का सेवन कम से कम करें। सोने के कमरे को शांत, अंधेरा और आरामदायक रखें। नियमित व्यायाम करें और दिनभर की थकान दूर करने के लिए पर्याप्त आराम लें।

रसोई में रखा ये हरा पत्ता है सेहत का खजाना शुगर से लेकर कोलेस्ट्रॉल तक के लिए फायदेमंद

हमारे किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं जिन्हें हम रोज इस्तेमाल तो करते हैं, लेकिन उनके फायदों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। करी पत्ता भी ऐसी ही चीज है। भारतीय खान-पान में इसका इस्तेमाल लंबे समय से तड़के और स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता रहा है। इसकी खास खुशबू और स्वाद खाने को अलग पहचान देते हैं, लेकिन बात सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं है। इसकी खुशबू और स्वाद से तो लगभग हर कोई परिचित है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा पत्ता पोषक तत्वों और कई पौधों से मिलने वाले यौगिकों का स्रोत भी है? करी पत्ते पर हुए शोध में ब्लड शुगर, पाचन, हृदय स्वास्थ्य और शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से जुड़े संभावित फायदों का पता चलता है।

शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद

करी पत्तों को शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद पाया गया है। इनमें मौजूद प्लांट बेस्ड यौगिक और फाइबर भोजन के बाद ब्लड शुगर बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं। कुछ शुरुआती अध्ययनों में करी पत्ते के अर्क से ग्लूकोज कंट्रोल और इंसुलिन से जुड़ी प्रक्रियाओं पर संभावित लाभ देखने को मिले हैं। जिन लोगों का शुगर अक्सर बढ़ा रहता है उन्हें खाली पेट कुछ पत्तियों का सेवन करने से लाभ मिल सकता है।

हृदय की सेहत के लिए लाभकारी :

करी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं।



डायबिटीज की ही तरह से करी पत्ते हृदय स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। नियमित रूप से करी पत्तों का सेवन ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित करता है और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है। हृदय रोगों से बचाव के लिए इसका सेवन लाभकारी है।

पाचन के लिए भी फायदेमंद : करी पत्ते में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र के सामान्य कामकाज में मदद करता है। इसमें मौजूद कुछ यौगिकों में एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण भी देखे गए हैं। करी पत्ते कब्ज, दस्त, और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में ये मदद करते हैं। करी पत्ते की चाय पाचन में सुधार में बहुत फायदेमंद मानी जाती है, इनमें कार्मिनेटिव गुण होते हैं जो गैस और ब्लोटिंग को कम करने में सहायक हैं।

पेट में दर्द और मितली कब हो सकता है हार्ट अटैक का संकेत? महिलाओं में ये लक्षण बहुत कॉमन

हार्ट अटैक का दर्द हमेशा सिर्फ सीने में नहीं होता। खासकर महिलाओं में हार्ट अटैक में पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, मितली, सांस फूलने, पसीना और चक्कर जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इन्हें गैस या अपच समझकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ऐसे संकेतों के साथ तुरंत इमरजेंसी मदद लेना जरूरी है।

हार्ट अटैक दुनियाभर में हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बनता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक इससे हर साल लगभग 95 लाख लोगों की मौत हो जाती है, ये दुनियाभर में होने वाली कुल मौतों का लगभग 16% है। हार्ट अटैक का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में सीने में तेज दर्द, सांस फूलने और पसीना आने वाली तस्वीर सामने आती है। लेकिन, हर बार हार्ट अटैक इसी तरह से संकेत दे यह जरूरी नहीं है। कई बार दिल का दौरा पड़ने पर शरीर ऐसे संकेत भी देता है जिन्हें लोग सामान्य समस्या समझकर अनदेखा कर देते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हार्ट अटैक के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसमें लोगों को जी मिचलाने, उल्टी और पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं, जिनपर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देते रहने की जरूरत होती है।

पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द : हार्ट



अटैक तब होता है जब दिल की मांसपेशियों तक खून और ऑक्सीजन पहुंचाने वाली रक्त वाहिका में रुकावट आ जाती है। इसका सबसे जाना-पहचाना संकेत सीने में दबाव या दर्द है, लेकिन दर्द हमेशा सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता।

कई बार हार्ट अटैक की स्थिति में पेट के ऊपरी हिस्से में भी दर्द महसूस हो सकती है। यह दर्द पीठ, गर्दन, जबड़े, कंधे या हाथ तक भी फैल सकता है। पेट की इन समस्याओं को अक्सर लोग गैस, एसिडिटी या अपच समझ लेते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के विशेषज्ञ कहते हैं, पेट में दर्द या मितली के साथ सीने में दिक्कत हो रही हो तो इसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

महिलाओं में हार्ट अटैक के दौरान पेट के लक्षण : अध्ययनों से पता चलता है कि महिलाओं में जी मिचलाने, अपच और पेट के ऊपरी हिस्से में दबाव महसूस होने जैसी पेट की समस्याएं हार्ट अटैक के आम लक्षण हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

बिजनेस साइट

शिवनाथ हुंडई में 'हुंडई बेयॉन' लॉन्च, ग्राहकों को मिलेगा बेहतर स्पेस और कम्फर्ट

रायपुर। शिवनाथ हुंडई में नई 'हुंडई बेयॉन' को लॉन्च किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद केक कटिंग कर लॉन्चिंग का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर शिवनाथ हुंडई के डायरेक्टर रोहित काले, डायरेक्टर रश्मि, हुंडई के टेरिटरी मैनेजर इमरान खान और सेल्स हेड प्रशांत गोयल उपस्थित रहे। डायरेक्टर रोहित काले ने कहा कि शिवनाथ हुंडई को 26 साल से अधिक समय हो चुका है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्राहक जुड़े हैं और कंपनी लगातार उनका विश्वास जीतने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हुंडई बेयॉन के आने से वेन्यू और क्रेटा के बीच का अंतर कम होगा। इससे ग्राहकों को बेहतर कम्फर्ट और ज्यादा स्पेस का विकल्प मिलेगा। हुंडई बेयॉन में आधुनिक डिजाइन, आकर्षक एक्सटीरियर, आरामदायक केबिन, स्मार्ट कनेक्टिविटी और उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। इसकी लॉन्चिंग से ग्राहकों को एक नया विकल्प मिलेगा।



श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में ऑप्टोमेट्री सीएमई कार्यक्रम



रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में ऑप्टोमेट्री के क्षेत्र में कौशल विकास के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए 100 से अधिक ऑप्टोमेट्रिस्ट शामिल हुए। कार्यक्रम का विषय 'सॉफ्ट कॉन्टैक्ट लेंस - फिट, फील एंड फंक्शन' रहा। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कॉन्टैक्ट लेंस की सही फिटिंग, उपयोग, आराम और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। लाइव डेमोंस्ट्रेशन और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के जरिए प्रतिभागियों को तकनीकी बारीकियां समझाई गईं। साथ ही, कॉन्टैक्ट लेंस से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा हुई। अस्पताल के निदेशक एवं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. चारुदत्त कलमकर ने कहा कि बेहतर नेत्र सेवाओं के लिए सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी जरूरी है। ऐसे कार्यक्रमों से ऑप्टोमेट्रिस्ट आधुनिक तकनीकों से जुड़कर मरीजों को बेहतर और सुरक्षित नेत्र देखभाल उपलब्ध करा सकते हैं।

एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल में 'हर सांस, हर पल' विषय पर पैनल चर्चा

रायपुर। एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल में सांस की सेहत से जुड़े जागरूकता सप्ताह के तहत 'हर सांस, हर पल' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें विशेषज्ञों ने वायु प्रदूषण, धूम्रपान, संक्रमण और बदलती जीवनशैली के फेफड़ों पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी। साथ ही सांस संबंधी बीमारियों के शुरुआती लक्षणों को पहचानने और समय पर जांच कराने पर जोर दिया। चर्चा में पल्मोनोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. दिपेश मस्के, डॉ. आकांक्षा सरडा सक्सेना और डॉ. दिव्या मल्ले शामिल हुईं। सत्र का संचालन डॉ. जितेंद्र चंद्राकर ने किया। विशेषज्ञों ने बताया कि लगातार खांसी, सांस फूलना और सांस लेते समय घरघराहट को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अस्थमा, सीओपीडी, टीबी और स्लीप एपनिया जैसी समस्याओं पर भी जानकारी दी गई। उन्होंने धूम्रपान छोड़ने, प्रदूषण से बचने और नियमित शारीरिक गतिविधियां अपनाने की सलाह दी। अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. एमएम माधवन ने कहा कि जागरूकता और समय पर इलाज से फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

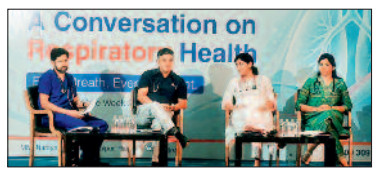



फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

गाने के प्रमोशन के लिए जूतों में डाला था इंसानी खून

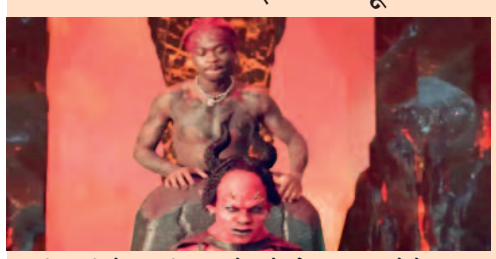

कभी-कभी सेलिब्रिटीज अपने गाने को हिट करवाने के चक्कर में वो हद पार कर देते हैं, जिसके बारे में लोगों ने कभी सोचा भी नहीं होता। साल 2021 में भी अपने एक गाने को प्रमोट करने के चक्कर में एक मशहूर सिंगर ने जूतों में इंसानी खून डालकर बेचा था, जिसे लेकर दुनियाभर में खूब बवाल मचा था। कौन सा है वह गाना, जिसने खड़ी कर दी थी बड़ी कंट्रोवर्सी और बिके थे खून वाले केवल 666 शूज, नीचे पढ़ें पूरी कहानी। इंग्लिश गाने सुनने के शौकीन लोगों ने कभी न कभी हॉलीवुड का फेमस सॉन्ग 'मोंटेरो-कॉल मी वेन यू वॉन्ट..कॉल मी वेन यू नीड' जरूर सुना होगा, लेकिन क्या आपको पता है अमेरिकी रैपर लिल नैस एक्स के इस सुपरहिट गाने ने दुनियाभर में एक बड़ी कंट्रोवर्सी खड़ी कर दी थी। दरअसल, लिल के गाने के विजुअल्स कुछ ऐसे थे, जहां वो एक पोल के जरिए नर्क में उतरता है और शैतान को लैप डांस देता है और उसे मारकर उसके सिंहासन पर बैठ जाता है। गाना हॉलीवुड के हिसाब से सही था, लेकिन असली बवाल तब शुरू हुआ, जब इस गाने के साथ लिल नैस एक्स ने सैटन शूज लॉन्च किए, जिनके अंदर इंसानी खून था। 2021 में आए मोंटेरो गाने को बड़े स्केल पर प्रमोट करने के लिए लिन ने न्यूयॉर्क के एमएससीएचएफ आर्ट कलेक्टिव के साथ मिलकर एक नाइकी एयर 97 लॉन्च किया।

टॉलीवुड

राजनीति का अगला अध्याय लिखेंगी तृषा, ज्योतिषी ने की भविष्यवाणी



अभिनेत्री तृषा कृष्णन तमिल सिनेमा की एक प्रमुख अभिनेत्री हैं। उन्होंने फिल्मी दुनिया में दो दशकों से ज्यादा का समय दिया है। बीते दिनों वह अभिनेता से नेता बने थलापति विजय से कथित रिश्तों को लेकर सुर्खियों में भी रही हैं। अब एक ज्योतिषी ने इस साल के अंत में एक्ट्रेस के राजनीति में उतरने का दावा किया है। प्रसिद्ध ज्योतिषी प्रदोश ने भविष्यवाणी की है कि अभिनेत्री तृषा दिसंबर 2026 से राजनीति में प्रवेश करेंगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक पोस्ट में लिखा, 'तृषा कृष्णन, राजनीति का अगला अध्याय लिखेंगी। सूर्य, मंगल और शुक्र ग्रहों का एक मजबूत संयोजन, ज्योतिषीय रूप से, शक्ति, साहस, आकर्षण और जन प्रभाव का प्रतीक है।'इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राहु-केतु के गोचर के बाद, यानी दिसंबर 2026 के बाद, तृषा के राजनीति में प्रवेश करने की संभावना अधिक है। देखते हैं क्या होता है। विजय की चुनावी जीत और तृषा का जन्मदिन एक ही दिन यानी 4 मई, 2026 को पड़ना इस घटना को और भी दिलचस्प बना देता है। इस जीत के बाद उनके कथित तौर पर तिरुपति जाने की खबर ने लोगों के बीच इसे बातचीत का विषय बना दिया था। कुछ महीने पहले, तृषा द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई एक तस्वीर ने टीवीके नेता और मुख्यमंत्री विजय को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए हलचल मचा दी थी। साथ ही, वेबसाइटों पर यह जानकारी भी फैल गई थी कि अभिनेत्री तृषा राजनीति में आने की तैयारी कर रही हैं। हालांकि, बाद में विजय ने इस बात का खंडन किया था। विजय और तृषा का लंबा प्रोफेशनल साथ रहा है, जिसकी शुरुआत 2004 में 'घिल्ली' से हुई और तिरुपाची, आथी, कुरुवि और लियो जैसी फिल्मों में यह जारी रहा। उनके ऑफ-स्क्रीन अपीयरेंस भी अक्सर फैंस के बीच चर्चा का विषय रहे हैं। तृषा को मई में विजय के शपथ ग्रहण समारोह में देखा गया था, जहां उन्होंने अभिनेता के परिवार से बातचीत भी की थी।

भोजपुरी

नवरात्रि में मोनालिसा ने दिया पावरफुल रिमाइंडर



भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक पावरफुल मैसेज दिया है। शारदीय नवरात्रि चल रहे हैं। श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन हैं। इन दिनों गरबा भी खेला जाता है। इंडस्ट्री में भी इन पावन दिनों में खूब रौनक देखी जाती है। भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा ने अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। मोनालिसा साड़ी में ट्रेडिशनल लुक में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ हैवी ज्वैलरी पहनी है। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने फैंस को एक खास मैसेज दिया है। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा है, 'नवरात्रि। नौ रातें...एक जरूरी बात, जो याद रखनी चाहिए। आप जिस दौर, जिस समय से गुजर रहे हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं'। पिंक और ग्रीन कलर की साड़ी में मोनालिसा हंसती-मुस्कुराती हुई पोज दे रही हैं। वे अपना मेकअप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री के लिबास की फैंस तारीफ कर रहे हैं। मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा जगत की चर्चित एक्ट्रेस हैं। उनका असली नाम अंतरा बिस्वास है। फिल्मों के अलावा वे कई टीवी शो का हिस्सा भी रही हैं।

नई दिल्ली के ताज पैलेस में हुए 'मनीष मल्होत्रा लग्जरी प्रेट 2026' शो में सारा अली खान शोस्टॉपर बने। उन्होंने डिजाइनर की उस खास शैली को पेश किया जिसमें ग्लैमर और बारीक कारीगरी का बेहतरीन मेल देखने को मिला। सारा अली खान ने एक शानदार काले, डिजाइनर आउटफिट में सबको प्रभावित किया। इस पोशाक के ऊपरी हिस्से में स्ट्रैप नहीं थे। साथ ही, इस पर मैटेलिक और कई रंगों वाले फूलों की नाजुक सजावट की गई थी। चमकदार कढ़ाई और बारीक काम वाला फिटेड टॉप, उनकी लहराती हुई काली स्कर्ट के साथ बहुत जंच रहा था। एक पारदर्शी काले ड्रेप ने इस पूरे लुक में चार चांद लगा दिए।



सारा ने स्ट्रैपलेस टॉप से खींचा ध्यान

लाइफ स्टाइल

गोल्ड की चेन वाले मंगलसूत्र पसंद कर रही हैं मॉडर्न बहुएं!

मंगलसूत्र सुहागिन महिलाओं का खास गहना होता है। ये पति-पत्नी के खूबसूरत और अटूट रिश्ते का प्रतीक होता है। इसलिए शादी के बाद महिलाएं मंगलसूत्र जरूर पहनती हैं। खासकर करवाचौथ या कोई तीज-त्योहार हो तो एथनिक वियर के साथ ये भी जरूर पहना जाता है। समय के साथ मंगलसूत्र के डिजाइन में भी बदलाव आया है। आजकल गोल्ड की पतली चेन वाले मंगलसूत्र काफी पसंद किए जा रहे हैं।

चेन और काले मोतियों वाला डिजाइन : गोल्ड की चेन में काले मोतियों वाला ये मंगलसूत्र देखने में काफी खूबसूरत लगेगा। डेली वियर में पहनने के लिए ये डिजाइन बढ़िया ऑप्शन है। ऐसे मंगलसूत्र आप कहीं आने-जाने में भी आराम से पहन सकती हैं। थोड़ा सा हैवी लुक भी मिल जाता है।

स्टोन वर्क वाला सुंदर पेंडेंट : स्टोन वर्क वाले पेंडेंट के साथ मंगलसूत्र बेहद ही खूबसूरत लगता है। पतली सी गोल्ड चेन के साथ स्टोन पेंडेंट का कॉम्बिनेशन आपके हर आउटफिट के साथ पेयर हो जाएगा। अगर आप ऐसा मांगसलूत्र ढूंढ रही हैं, जो लाइटवेट भी हो और देखने में भी डिजाइनर लगे तो ये चुन सकती हैं।

अट्रैक्टिव मंगलसूत्र डिजाइन : थोड़ा सा



यूनिक और मॉडर्न मंगलसूत्र बनवाना चाहती हैं तो ये वाला डिजाइन सेव कर सकती हैं। इसका स्टोन वर्क वाला पेंडेंट काफी खूबसूरत है, साथ ही पतली सी गोल्ड की चेन में काले मोती का अरेंजमेंट भी अट्रैक्टिव लुक दे रहा है।

डायमंड शेप वाला पैंडेंट : डायमंड शेप में स्टोन वर्क वाला ये खूबसूरत पेंडेंट एक अच्छी चॉइस हो सकता है। ये काफी लाइटवेट है और डेली वियर में पहनने के लिए परफेक्ट है। आजकल की मॉडर्न बहू हैं और हैवी ज्वैलरी पसंद नहीं करतीं, तो ये मंगलसूत्र आपके लिए बढ़िया रहेगा।

फ्लोरल पेंडेंट वाला मंगलसूत्र

मिनिमल मंगलसूत्र बनवाना चाहती हैं तो स्टोन वर्क वाला ये फ्लोरल पैटर्न पेंडेंट चुन सकती हैं। ये बहुत ही लाइटवेट है और देखने में भी काफी स्टाइलिश लगता है। ऑफिस जाती हैं तो इस तरह का मंगलसूत्र डेली वियर में पहन सकती हैं।

हार्ट शेप वाला पैटर्न चुनें

ये मिनिमल हार्ट शेप पेंडेंट भी काफी खूबसूरत और अट्रैक्टिव है। पतली सी चेन और छोटे से पेंडेंट वाला ये डिजाइन काफी लाइटवेट है और कम बजट में बन जाएगा। अगर आप स्टाइलिश लुक पसंद करती हैं तो ये मंगलसूत्र आपको पसंद आएगा।

हेवी लुक के लिए ये चुनें

मंगलसूत्र थोड़ा हेवी में हो तो आराम से साड़ी या हेवी सूट के साथ वियर किया जा सकता है। खासकर त्योहारों पर पहनने के लिए ये बेस्ट रहता है। अगर आप भी खास मौकों के लिए ही मंगलसूत्र बनवाने की सोच रही हैं, तो ये अट्रैक्टिव डिजाइन अच्छी चॉइस हो सकता है।

लाल-पीली या हरी, साड़ी के हर शेड से मैच करेंगे ये मल्टीकलर ब्लाउज

फैशन





त्योहारों का सीजन है तो महिलाएं एथिनिक पहनना पसंद करती हैं। लेकिन, हर साल नई साड़ी खरीदना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं। ऐसे में कुछ ट्रिक की मदद से आप अपनी पुरानी साड़ियों को यूज कर सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं पुरानी साड़ी को नहीं पहनती कि उनके ब्लाउज के साइज छोटे हो गए होते हैं और हर साड़ी के साथ नये ब्लाउज बनवाना मुश्किल, ऐसे में मल्टीकलर ब्लाउज सस्ता और किफायती सॉल्यूशन है। आप खास डिजाइन के मल्टीकलर ब्लाउज को खरीदकर रख लें। ये आपकी कई साड़ियों के साथ मैच करेंगे और सुंदर दिखेंगे।

चेक प्रिंट मल्टीकलर ब्लाउज : चेक प्रिंट वाले मल्टीकलर ब्लाउज सबसे कॉमन है इसे हर महिला को अपने वॉर्डरोब में रखना चाहिए। लाल, पीली, नीली, हरी जैसे कई कलर के शेड पर ये परफेक्ट तरीके से मैच कर जाती हैं।

फ्लोरल प्रिंट मल्टीकलर ब्लाउज : ऐसे फ्लोरल प्रिंट वाले मल्टीकलर ब्लाउज भी कई साड़ियों के शेड के साथ मैच कर जाते हैं। इस तरह के ब्लाउज स्टिच करवा लें और रखें। मात्र एक बार पहनने के लिए ब्लाउज नहीं स्टिच करवाना पड़ेगा, एक ब्लाउज से मैच कर कई कलर की साड़ी पहनी जा सकती है।

लाइट शेड मल्टीकलर ब्लाउज : अगर आपके पास पेस्टल कलर की साड़ियां है तो अपने वॉर्डरोब के मुताबिक लाइट शेड के मल्टीकलर ब्लाउज को रेडीमेड या स्टिच करवाकर रखें और पहनें।

ब्रोकेड या बनारसी ब्लाउज : ब्रोकेड या बनारसी सिल्क के ब्लाउज को जरूर रखें। कई तरह की सिल्क की साड़ी ये ब्लाउज फिट बैठते हैं और लुक को फेस्टिवल रेडी बनाते हैं।

मल्टीकलर ब्लाउज : इस डिजाइन के ब्लाउज बहुत कॉमन है और हर लेडीज की वॉर्डरोब में होने चाहिएं। इन्हें आप डार्क शेड की कई साड़ियों के साथ मैच करके पहन सकती हैं और पूरा लुक स्टाइलिश दिखेगा।

लाल रंग से जुड़ा मल्टीकलर : लाल रंग से जुड़ा मल्टीकलर काफी सुंदर दिखता है और ट्रेडिशनल साड़ियों के साथ परफेक्ट मिक्स हो जाता है। इस तरह के ब्लाउज पर पैसे जरूर खर्च करने चाहिए। व्हाइट शेड के ब्लाउज में मल्टीकलर के धागों से कढ़ाई वाले ब्लाउज पर पैसे खर्च करें।

मेहंदी में छिपाएं पति का नाम, इन डिजाइंस में ढूंढते रह जाएंगे पिया जी

करवा चौथ का त्योहार बिना मेहंदी के अधूरा होता है। सुहागिन महिलाएं पूरा श्रृंगार करती हैं और हाथों पर मेहंदी रचाती हैं। कई महिलाएं हिना में पति का नाम लिखवा लेती हैं, जिससे उन्हें खोजना पड़े। आजकल वैसे तो डिजाइन इतनी घनी लगाई जाती है, जिसमें पति का नाम या उनके नाम का अक्षर आप आसानी से छिपा सकती हैं लेकिन अगर आपको कोई खास डिजाइन लगवानी है।

सिटीस्केप और ट्रेडिशनल मिक्स मेहंदी : इस डिजाइन में हाथों की कलाई पर ऊपर की ओर खूबसूरत शहर की इमारतों और स्काईलाइन की डिजाइन बनी हुई है, जबकि नीचे की तरफ बारीक जाली, झूमर और पारंपरिक बारीक फूल-पत्तियों का पैटर्न है। यह पैटर्न हाथों पर अच्छा लगेगा। इस डिजाइन में आप पति का नाम कलाई पर बनी इमारतों या सिलुएट की काली आउटलाइन के बीच में बारीक अक्षरों में नाम लिखा जा सकता है। इसके अलावा हथेली के बीच बनी बारीक जाली के खानों में एक-एक अक्षर छिपाया जा सकता है।



मंत्र और भक्ति भाव मेहंदी

इस मेहंदी डिजाइन में भगवान शिव का 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र और नंदी जी उकेरे गए हैं, जबकि दूसरे हाथ पर करवा चौथ के सुहाग संदेश और फेरों का महत्व लिखा हुआ है। इसमें कमल के फूल और वट वृक्ष के पत्तों की सुंदर शेडिंग बनी हुई है। हाथ पर लिखे गए प्रेम या सुहाग से जुड़े संदेश वाली पंक्तियों के बीच में पति का नाम बहुत आसानी से छिपाया जा सकता है।

जाली और मंडला मेहंदी : ये हिना डिजाइन हल्की लेकिन बेहद खूबसूरत ज्यामितीय और मंडला कट-आउट डिजाइन में बनी है। इसमें हथेलियों के बीच में त्रिभुज आकार की सुंदर बारीक जाली है, कलाई पर अरेबिक पैटर्न के साथ बारीक बिंदियों को बनाया गया है। हथेली के ऊपरी हिस्से में जो त्रिकोणीय जाली का पैटर्न बना है, उसके घुमावदार बॉर्डर या जाली की बारीक लाइनों में नाम बहुत खूबसूरती से छिपाया जा सकता है।

पहले करवा चौथ पर हाथों में सजाएं ये ट्रेंडी चूड़ा, सास से लेकर पति तक करेंगे तारीफ

शादी के बाद हर सुहागिन महिला के लिए करवा चौथ का त्योहार बेहद खास होता है। करवा चौथ के लिए महिलाएं पहले से कई तैयारियां करने लगती हैं। अगर आप इस बार पहला करवा चौथ मनाने जा रही हैं, तो अपने हाथों की शोभा बढ़ाने के लिए चूड़ा के ये डिजाइंस जरूर ट्राई करें। चूड़ा हाथों की खूबसूरती को बढ़ा देता है और भरा हुआ लुक देता है।

कुंदन और इविल आई ब्राइडल चूड़ा : लाल रंग के क्लासिक चकाचौंध वाले चूड़े के साथ कुंदन के कड़े और इविल आई मोतियों वाला चूड़ा काफी ट्रेंडी लग रहा है। करवा चौथ के खास दिन के लिए इस तरह का चूड़ा परफेक्ट रहेगा। आपकी साड़ी, सूट के साथ अच्छा लगेगा।

रॉयल एम्राल्ड ग्रीन पर्ल कड़ा



सेट : रॉयल ग्रीन कलर की चूड़ियों के साथ गोल्डन फ्लोरल वर्क और मोतियों की बार्डर वाला यह सेट बेहद राजसी लुक देता है। करवा चौथ या किसी भी पारंपरिक उत्सव में साड़ी या लहंगे के साथ पहनने के लिए यह परफेक्ट रहेगा।

रेड कुंदन और पर्ल चूड़ा सेट : गहरे लाल रंग की चूड़ियों के बीच बारीक कुंदन और मोती के काम वाले कड़े इस सेट को बेहद प्रीमियम लुक दे रहे हैं। अगर आप अपनी करवा चौथ पर एलिगेंट लुक के साथ चूड़ा सेट पहनना चाहती हैं, तो इस तरह का डिजाइन ट्राई करें।

जालीदार वर्क ब्राइडल चूड़ा : करवा चौथ के खास दिन के लिए रॉयल रेड कलर का यह चूड़ा अच्छा लगेगा। हैवी नक्काशीदार कड़ों और जालीदार कुंदन डिजाइन के साथ आप इसे स्टाइल करें। लहंगा-साड़ी के साथ ये आपको रिच लुक देगा।

मीनाकारी ब्राइडल चूड़ा : हाथी और बारीक मीनाकारी वर्क वाले कड़ों से सजा यह पारंपरिक लाल चूड़ा भारतीय संस्कृति की खूबसूरती को दर्शाता है। करवा चौथ के खास दिन के लिए आप इस तरह का डिजाइन भी चुन सकती हैं। इसमें लटकन शैली की बारीक डिटेलिंग दी गई है, जो आपके हाथों में सुंदर लगेंगे।

कार्नर न्यूज

आपकी लाडली लगेगी सबसे प्यारी!

गाउन से एथनिक सूट तक, बच्चियों के लिए ये हैं खूबसूरत ड्रेस डिजाइन

बच्चों के कपड़े खरीदते समय हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा प्यारा दिखने के साथ कपड़ों में आराम भी महसूस करे। खासकर त्योहारों, शादी या परिवार के किसी फंक्शन के लिए ड्रेस लेते समय डिजाइन, फैब्रिक की क्वालिटी और फिटिंग पर ध्यान देना जरूरी है। आजकल बच्चियों के लिए कई खूबसूरत डिजाइन मिल रहे हैं, जो उनके अंदाज को खास बनाने के साथ खेलने-कूदने के दौरान भी आराम देते हैं।



टॉप और डंगरी का स्टाइलिश सेट

बच्चियों के लिए टॉप और डंगरी का यह सेट कैजुअल वियर के साथ पार्टी के लिए भी अच्छा रहेगा। इसका स्टाइलिश डिजाइन बर्थडे पार्टी, शादी और परिवार के समारोहों में प्यारा अंदाज देगा। सेट के साथ मिलने वाली छोटी पर्स पूरे आउटफिट को और आकर्षक बनाती है।

मुलायम कपड़े से बना स्टाइलिश सेट

कॉटन ब्लेंड से बने इस सेट में 95 प्रतिशत कॉटन और 5 प्रतिशत स्पैन्डेक्स का इस्तेमाल किया गया है। मुलायम और स्ट्रेचेबल फैब्रिक पहनने के दौरान आराम देता है। सेट में फुल स्लीव टॉप, डंगरी और पर्स शामिल हैं। इसे प्यारे शूज और हेयर एक्सेसरीज के साथ स्टाइल करें। मशीन वॉश की सुविधा से इसकी देखभाल भी आसान रहती है।

अनारकली कुर्ता और शरारा सेट

अनारकली कुर्ता और शरारा का यह सेट पारंपरिक लुक के साथ स्टाइलिश अंदाज भी देता है। घुटनों तक लंबाई वाला अनारकली कुर्ता, वी-नेक और तीन-चौथाई फ्रिल स्लीव्स इसकी खूबसूरती बढ़ाते हैं। यह ड्रेस बर्थडे पार्टी, त्योहारों और परिवार के समारोहों के लिए अच्छी रहेगी।

कुर्ता, शरारा और दुपट्टे का खूबसूरत मेल

इस सेट में खादी रेयॉन का कुर्ता और शरारा दिया गया है, जबकि कुर्ते के अंदर कॉटन की लाइनिंग है। इसके साथ चिनॉन फैब्रिक का दुपट्टा भी मिलता है, जो पारंपरिक अंदाज को पूरा करता है। कुर्ते का घेरदार डिजाइन और शरारा का मेल एथनिक लुक को खास बनाता है।



पीले रंग का एथनिक सलवार सूट

बच्चियों के लिए पीले रंग का यह सलवार सूट त्योहारों और परिवार के खास फंक्शन के लिए शानदार रहेगा। कुर्ती पर गुलाबी, हरे और नारंगी रंग की कढ़ाई के साथ मिरर वर्क किया गया है, जो इसे आकर्षक बनाता है। इसका पारंपरिक डिजाइन फेस्टिव लुक में रंगों की खूबसूरत झलक जोड़ता है।

आरामदायक डिजाइन और ट्रेडिशनल स्टाइल

कॉटन फैब्रिक से बनी इस ड्रेस में बिना बाजू वाली कुर्ती, मैचिंग सलवार और हल्का पीला दुपट्टा शामिल है। सलवार की ढीली फिटिंग बच्चियों को उठने-बैठने और खेलने के दौरान आराम देती है। कुर्ती और सलवार के किनारों पर की गई कढ़ाई इसकी खूबसूरती बढ़ाती है।